04- मॉरीशस और फीजीः विश्व हिंदी सम्मेलन के झरोखे से

05- किसान और गरीबों के कलाकार फ्रांस्वा मिले

A Daily News Magazine

भोपाल

रविवार, 21 जुलाई, 2024

06-अवैध पिस्टल की तस्करी करते चार आरोपी गिरफ्तार

07- फिल्मों में प्राकृतिक आपदा के कथानक

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 314 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmailÐcom

facebookÐcom/subahsaverenews

wwwÐsubahsavereÐnews

twitterÐcom/subahsaverenews

मुसाफिर का ठिकाना...

असल मायने में तो मुसाफिर यही हैं। न घर है, न ठिकाना। और इस चलते चले जाने में जिंदगी को इस तरह से जीना सीखना पड़ता है कि हर तरह की परिस्थिति में अपने लिए रास्ता बना लें। भोपाल के जंबूरी मैदान में इन दिनों रेगिस्तान के पशुपालकों का एक कारवां पड़ाव डाले हुए है। बारिश के जमा पानी से अपने उंट को नहलाने का जतन करता एक परिवार।

छाया - राकेश कुमार मालवीय

गुजरात में 'जल' जला, यूपी में एनडीआरएफ की तैनाती

11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी,नागपुर में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर में गुरुवार-शुक्रवार को 36 घंटे में 565 मिमी बारिश हुई। इससे कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग ने यहां आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उधर, उत्तर प्रदेश के बहराइच में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने से खेतों में काम कर रहे करीब 100 लोग फंस गए। 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें सुरक्षित निकाला गया। इधर, गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वाराणसी के घाटों पर एनडीआरएफ को तैनात किया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे और मुंबई समेत कई जिलों में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। नागपुर में स्कूल-कॉलेजों की आज की छुट्टी कर दी गई है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आज 20 जुलाई के लिए 11 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में देर रात और सुबह तेज बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

आतंकियों की मौजूदगी का शक, जम्मू में सख्त हुई सुरक्षा

500 स्पेशल पैरा कमांडो तैनात, 50-55 पाकिस्तानी आतंकी कर रहे साजिश

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच भारतीय सेना ने लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया है। रक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि जम्मू रीजन में पाकिस्तान के 50-55 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ये भारत में फिर से टेरर नेटवर्क ऐक्टिव करने के लिए घुसे हैं। सेना को इससे जुड़े इंटेलीजेंस इनपुट मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। इंटेलीजेंस एजेंसियां भी आतंकियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड वर्कर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जम्मू में घुसपैठ कर रहे आतंकी हाई लेवल ट्रेनिंग लेकर आए हैं।

उनके पास आधुनिक हथियार और उपकरण हैं। सेना इन आतंकियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है। आतंकियों से मुकाबला करने के लिए सेना पहले ही 3500 से 4000 सैनिकों की अपनी ब्रिगेड उतार चुकी है। इसके अलावा जम्मू में सेना के पास पहले से ही एक काउंटर-टेररिस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसमें रोमियो और डेल्टा फोर्सेज के साथ-साथ राष्ट्रीय राइफल्स की दो फोर्सेज शामिल हैं। जम्मू रीजन में सेना ने 20 साल पहले पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के जिस लोकल नेटवर्क को सख्ती से निष्क्रिय कर दिया था, वो पूरी ताकत से फिर ऐक्टिव हो गया है।

पहले ये लोग आतंकियों का सामान ढोने का काम करते थे, अब उन्हें गांवों में ही हथियार, गोला बारूद और खाना-पीना दे रहे हैं। बीते दिनों जिन 25 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था, उन्होंने पूछताछ में इसके सुराग दिए हैं। यह नेटवर्क जम्मू के 10 में से नौ जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, ऊधमपुर, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, जम्मू और रामबन में जम चुका है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य के मुताबिक, आर्टिकल 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान आर्मी और लश्कर ने जम्मू को टारगेट करना शुरू कर दिया था। उसने दो साल में इस नेटवर्क को सक्रिय किया। इन्हीं की मदद से आतंकियों ने हमला किया था।

सुप्रभात

गुरु सो ज्ञान जु लीजिये, सीस दीजये दान।
बहुतक भोंदू बहि गये, सखि जीव अभिमान॥

गुरु की आज्ञा आवै, गुरु की आज्ञा जाय।
कहैं कबीर सो संत हैं, आवागमन नशाय॥

गुरु पारस को अन्तरो, जानत हैं सब संत।
वह लोहा कंचन करे, ये करि लये महंत॥

कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय।
जनम-जनम का मोरचा, पल में डारे धोया॥

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि - गढ़ि काढ़ै खोट।
अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट॥

गुरु समान दाता नहीं, याचक शीष समान।
तीन लोक की सम्पदा, सो गुरु दीन्ही दान॥

गुरु को सिर राखिये, चलिये आज्ञा माहिं।
कहैं कबीर ता दास को, तीन लोकों भय नाहिं॥

गुरु सो प्रीतिनिवाहिये, जेहि तत निबहै संत।
प्रेम बिना ढिग दूर है, प्रेम निकट गुरु कंत॥

गुरु मूरति गति चन्द्रमा, सेवक नैन चकोर।
आठ पहर निरखत रहे, गुरु मूरति की ओर॥

ज्ञान समागम प्रेम सुख, दया भक्ति विश्वास।
गुरु सेवा ते पाइए, सद् गुरु चरण निवास॥

सब धरती कागज करूँ, लिखनी सब बनराय।
सात समुद्र की मसि करूँ, गुरु गुण लिखा न जाय॥

- संत कबीर

केजरीवाल की हेल्थ को लेकर टेंशन में एलजी सक्सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में हैं। वहीं केजरीवाल की सेहत को लेकर लगातार विवाद जारी है। इस बीच

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखा है। इस पत्र में तिहाड़ जेल अधीक्षक की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए एलजी ने मुख्यमंत्री की सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने निर्धारित भोजन और दवाएं न लेने को लेकर सवाल भी उठाए हैं। एलजी ने कहा है कि मुख्य सचिव इस बात का पता लगाएं।

जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 67 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और भूमिपूजन

जबलपुर में बनेगा रेडीमेड-टेक्सटाइल स्किल सेंटरः सीएम यादव

जबलपुर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अनेक क्षेत्रों में उद्योग स्थापना का कार्य प्राथमिकता से किया जायेगा। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल, रक्षा संस्थान के लिए एक टैंक निर्माण, फार्मा क्षेत्र और पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए उद्योग प्रारंभ किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 20 जुलाई को जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस

- **जबलपुर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में बोले सीएम यादव**
- **छिंदवाड़ा में शुरू होंगे 15 नए प्रोजेक्ट**
- **डिफेंस में इंवेस्टमेंट तो 75 प्रतिशत डिस्काउंट में मिलेगी जमीन**
- **सेना के लिये टैंक निर्माण का कार्य भी होगा।**

कल्चरल एंड इनफॉरमेशन सेंटर में रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव में उद्योगों से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं की। यह सभी घोषणाएं उद्योगों के प्रोत्साहन से संबंधित हैं। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के अनेक प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर में टेक्सटाइल क्षेत्र में अति आधुनिक

स्किल सेंटर की शुरूआत की जायेगी, जिससे विशेष रूप से बहनों को रोजगार प्राप्त होगा।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 की आज दूसरी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जबलपुर में हुई। इसमें पाँच देश और भारत के राज्यों से बड़े उद्योगपति शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव में प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन किया। प्रदेश के विभिन्न 10 स्थान से जन-प्रतिनिधि लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम से जुड़े। इनमें कुल 1500 करोड रुपए का निवेश होगा और 4500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। औद्योगिक इकाइयों को आशय पत्र सौंपे गये, जिससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। कुल 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय-पत्र सौंपे गये। कॉन्क्लेव में आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम पॉलिसी 2023 का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, जबलपुर में रेडीमेड और टेक्सटाइल स्किल सेंटर बनाया जाएगा। यहां इस सेक्टर में निवेश की बहुत संभावनाएं हैं। डॉ. मोहन जबलपुर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में पहुंचे। उन्होंने छिंदवाड़ा के विकास के लिए 15 नई यूनिट का वर्चुअल लोकार्पण भी किया। सीएम ने कहा कि मप्र में टेक्सटाइल, रक्षा संस्थान के लिए एक टैंक निर्माण, फार्मा क्षेत्र और पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए उद्योग शुरू किए जाएंगे। कॉन्क्लेव में 600 करोड़ के निवेश के लिए अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करार भी हुआ।

सिंगापुर की कंपनी इंदौर में करेगी निवेश, फिर जबलपुर में

सिंगापुर बेस्ड कंपनी होशो डिजिटल के केतन वर्मा ने कहा कि हम लोग भारत में ऑपरेशन शुरू करने वाले हैं। अभी हमारी कंपनी सिर्फ मध्यप्रदेश में अंडर रजिस्ट्रेशन है।पहला इंवेस्टमेंट हम इंदौर में करेंगे। फिर दूसरे फेज में जबलपुर में। सिंगापुर के निवेश इस रीजन में आएंगे।

कैनेडियन इंस्टीट्यूशन के लिए भारत में निवेश की बहुत संभावनाएं

रवि तिवारी ने कहा कि मैं मुंबई में रहता हूं और ओंटेरियो कनाडा को रिप्रेजेंट करता हूं। कनाडा के इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टमेंट को देखें तो भारत में करोड़ों का निवेश आया है।कैनेडियन निवेशकों ने 5 साल में 80 बिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश किया है। कैनेडियन इंस्टीट्यूशन के लिए भारत में निवेश की कई संभावनाएं हैं।

जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स के वाइस प्रेसिडेंट बोले- और अच्छी योजनाएं लेकर आए सीएम

जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स के वाइस प्रेसिडेंट हिमांशु खरे ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव एक अच्छी पहल है। ये मीट पूरे प्रदेशभर की है।निवेशक स्वतंत्र है कि उसे जहां अच्छा वातावरण मिलेगा वह निवेश कर सकेगा। सीएम से आग्रह है कि वे जबलपुर में कुछ अच्छी योजनाएं लेकर आए।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
भोपाल ■ रविवार, 21 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

यूपीएससी चेयरमैन मनोज सोनी ने दिया इस्तीफा

पिछले साल अध्यक्ष बने थे, 5 साल का कार्यकाल बाकी था

मनोज सोनी बोले- इसका पूजा खेडकर विवाद से संबंध नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) के अध्यक्ष मनोज सोनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि इस्तीफे के बाद सामाजिक और धार्मिक कामों पर ध्यान देंगे। उन्होंने 14 दिन पहले अपना इस्तीफा कार्मिक विभाग को भेजा था, इसकी जानकारी शनिवार (20 जुलाई को) सामने आई है। अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। उनका कार्यकाल मई 2029 तक था। उन्होंने 16 मई 2023 को यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी। इस्तीफे की जानकारी आने के बाद मनोज सोनी ने कहा है कि उनका इस्तीफा ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के विवादों और आरोपों से किसी भी तरह से जुड़ा नहीं है। वहीं, कांग्रेस लीडर और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने चेयरमैन के इस्तीफे पर कहा है कि उन्हें एनटीए से जुड़े विवादों के बीच पद से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक लगातार संवैधानिक बॉडी की शुचिता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

नीट यूजी का सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी

18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश, अगली सुनवाई 22 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 20 जुलाई को नीट यूजी एग्जाम का सिटी और सेंटरवाइज रिजल्ट जारी कर दिया। रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर रिलीज हुआ है। इसमें कैंडिडेट्स की पहचान जाहिर नहीं की गई है। 18 जुलाई को नीट विवाद पर सीजेआई की बेंच के सामने हुई तीसरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया था कि सभी कैंडीडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। कोर्ट ने कहा था- रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से भी इनकार किया था। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था- काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा - हम सोमवार को ही सुनवाई करेंगे।

पति फोटो खींच रहा था, पत्नी 400 फीट नीचे गिरी, मौत

रीवा में वाटर फॉल पर उल्टे पैर पीछे जा रही थी, बैलेंस बिगड़ने से हादसा

रीवा (नप्र)। रीवा के क्योटी वाटर फॉल पर पति से फोटो खिंचवा रही नवविवाहित महिला बैलेंस बिगड़ने से 400 फीट गहरी खाई में जा गिरी। जिससे उसकी मौत हो गई। हादसा शुक्रवार का है। महिला की लाश शनिवार सुबह बरामद की गई। महिला चट्टानों से टकराते हुए 400 फीट नीचे पत्थर पर जाकर गिरी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीईआरएफ की टीम ने शुक्रवार शाम को रेस्क्यू शुरू किया। टीम को महिला का शव भी नजर आया, लेकिन रात ज्यादा होने से ऑपरेशन रोकना पड़ा। शनिवार सुबह टीम ने फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम के एक मेंबर को नीचे उतरा गया। जो रस्सी की मदद से शव को ऊपर लाया।एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि महिला किनारे पर थीं। पैर फिसलने से हादसा हुआ है।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा, 105 की मौत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए

सेना को तैनात किया गया है। शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसमें 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है।

घाटी पर पाकिस्तान के साथ आया तुर्की दी साइबर आर्मी

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की सरकार ने भारत को हथियार निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे लेकर कोई आदेश नहीं दिया गया है। लेकिन जब भी तुर्की की कोई कंपनी भारत से जुड़े ग्राहक को हथियार बेचना चाहती है तब-तब एर्दोगन की सरकार मंजूरी नहीं देती। तुर्की सरकार के एक अधिकारी ने संसद के

सामने यह खुलासा किया। अधिकारी ने बताया कि जब भी एक ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तो किसी भी छोटे पार्ट्स का अप्रूवल नहीं दिया जाता है। पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए तुर्की ऐसा कर रहा है। पिछले एक दशक में तुर्की और भारत के संबंधों में खटास देखी जा रही है। तुर्की का पाकिस्तान की ओर झुकाव बढ़ा है। तुर्की पाकिस्तान का पक्ष लेने के लिए तैयार है।

दो-दो लाख में खरीदी दुल्हन, दो दिन में छोड़ गई

रेप केस की धमकी दी, थाने में करना पड़ा समझौता ; दूल्हे बोले - जान बची, लाखों पाए

सारंगपुर (नप्र)। रुपए लुट जाने और पत्नी छूट जाने के बाद भी कोई खुश हो सकता है क्या? जी हां! राजगढ़ जिले के सारंगपुर क्षेत्र के दो दूल्हे दो-दो लाख रुपए ठग लिए जाने के बाद भी शुक्रवार दोपहर जब थाने से निकले तो उनके चेहरे पर खुशी थी।

दोनों ने दो-दो लाख रुपए देकर दो दुल्हनें खरीदीं, लेकिन ये शादी दो दिन भी नहीं टिक पाई। दुल्हनों ने उन्हें रेप के केस में फंसाने की धमकी दी तो मामला पुलिस तक पहुंच गया। आखिरकार पुलिस चौकी में बैठकर समझौता हुआ कि दूल्हे रुपए भी छोड़ेंगे और दुल्हनों को भी।

ऐसे फँसे दोनों युवक- राजगढ़ जिले के पचोर थाना क्षेत्र की उदनखेड़ी पुलिस चौकी में शुक्रवार को ये मामला पहुंचा। पुलिस के पास फरियाद लेकर पहुंचने वाले सुल्तानिया गांव के 45 वर्षीय प्रेमसिंह और पास के नारानिया गांव के 30 वर्षीय मुकेश थे। उनके साथ गांव वाले भी थे। तीन महिलाओं के साथ दो युवक भी थे।

पुलिस पूछताछ में प्रेमसिंह ने बताया कि शादी को करीब 10 साल गुजर गए, लेकिन औलाद की हसरत पूरी नहीं हो रही थी। हर तरह का इलाज कराकर थक चुके थे। आखिरकार पत्नी ने दूसरी शादी की रजामंदी दी। इसके बाद एक ऐसी दुल्हन की तलाश शुरू की जो मां बन सके। दूसरी ओर मुकेश ने बताया कि उसकी पत्नी का निधन पिछले साल हो गया था। जवानी में ही पत्नी साथ छोड़ गई। इसके बाद जीवन में सूनापन था। इसी सूनेपन को भरने के लिए एक पत्नी की तलाश थी। प्रेमसिंह ने रीति-रिवाज से शादी की थी। तब वीडियो बना रहे युवक ने दुल्हन से पूछा खुशी से शादी कर रही हो न, तो उसने हंसते हुए हां में जवाब दिया था।

यहां से शुरू हुई शादीलाल घरजोड़े की भूमिका- जब प्रेमसिंह और मुकेश की जरूरत के बारे में बात दूर तक फैल गई। ये बात राजगढ़ जिले के खिलचीपुर भी पहुंची। यहां के हेमराज ने जब ये सुना तो उसे इसमें अवसर नजर आया। कुली नंबर-1 में कलाकार सदाशिव अमरापुरकर ने शादीलाल घरजोड़े का किरदार निभाया था। जो दो परिवार के बीच सेतु बनकर शादियां कराते थे। इलाके के लोग हेमराज को भी शादीलाल घरजोड़े कहते हैं।

हेमराज ने फोटो दिखाई और दुल्हनें फाइनल कर दी- हेमराज ने प्रेमसिंह और मुकेश को दो तस्वीरें दिखाईं। ये दोनों तस्वीरें बिहार के रोहतास जिले की लड़कियों की थी। उन्होंने पुलिस को जो अपना पता बताया है उसके मुताबिक ये दोनों जिला मुख्यालय सासाराम से करीब 20 किमी दूर डेहरी ओन सोन की रहने वाली हैं। प्रेमसिंह और मुकेश लड़कियों की तस्वीरें देखकर खुश हो गए। फिर हेमराज ने ही दो-दो लाख रुपए में डील फाइनल कराई।

बिहार में ही हुई शादी फिर दुल्हनों को लेकर आए- दोनों की शादी डेहरी ओन सोन के ही एक मंदिर में सोमवार को हुई। इसके बाद दोनों धूमधाम से दुल्हनों को विदा कराकर अपने-अपने गांव लेकर आ गए। सुल्तानिया गांव मे गुरुवार की रात करीब 12 बजे प्रेमसिंह की पत्नी एक लड़के साथ भाग रही थी, तभी गांववालों ने उसे देख लिया। गांव में शोर मच गया कि प्रेमसिंह की नई दुल्हन भाग रही है। लोगों ने उस लड़के और नई दुल्हन दोनों को पकड़ लिया और प्रेमसिंह के हवाले किया।

इसके बाद नई दुल्हन ने प्रेमसिंह को धमकाया कि मुझे नहीं जाने दिया तो रेप का केस कर दूंगी। प्रेमसिंह का परिचय इस बीच पास के गांव में रहने वाले मुकेश से भी हो गया था क्योंकि उसकी शादी भी साथ में हुई थी। उसने मुकेश से बात की तो पता चला मुकेश की दुल्हन भी ऐसी ही धमकी दे रही है।

रिश्ता कराने वाला बोला- टिकना, न टिकना इनके ऊपर है- ये शादी सोमवार को हुई। मंगलवार रात 12 बजे प्रेमसिंह और मुकेश नई दुल्हनों को लेकर अपने-अपने घर पहुंचे और गुरुवार रात तक बवाल शुरू हो गया। शुक्रवार को दोनों दूल्हे-दुल्हन उदनखेड़ी चौकी में पुलिस के सामने बैठे थे।

पुलिस ने शादी कराने वाले हेमराज को बुलाया उसने साफ पल्ला झाड़ लिया कि मैंने तो रिश्ता तय करा दिया। टिकना न टिकना तो इनके ऊपर है। जिस लड़के के साथ प्रेमसिंह की नई दुल्हन भाग रही थी उसे उसने अपना भाई बताया। साथ ही रेप का केस दर्ज कराने की बात करने लगी।

गोविंद सिंह की कोठी की नपाई चल सकता है बुलडोजर

पुलिस फोर्स के साथ कोठी में घुसी राजस्व की टीम ; समर्थकों ने विरोध किया

भिंड (नप्र)। भिंड के लहार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एमपी विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह की कोठी की नपती की जा रही है। राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस फोर्स और क्यूआरएफ बल के साथ कोठी के अंदर घुसी। डॉ. गोविंद के समर्थकों ने टीम का विरोध कर दिया। कुछ देर तनाव की स्थिति बनी। लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने टीम का सहयोग करने की अपील की।

कोठी सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई जाने की शिकायत के बाद ये नपती की जा रही है। सरकारी जमीन पर कब्जा पाया जाता है तो कोठी पर बुलडोजर चल सकता है। इधर, डॉ. गोविंद सिंह ने लहार बीजेपी विधायक अंबरीश शर्मा पर आरोप लगाते हुए कहा, वे दुश्मनों जैसा बर्ताव कर रहे हैं। हमारे कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर जेल में डलवा रहे हैं। अब हमारा मकान तुड़वाकर अपमानित करने का काम कर रहे हैं।मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। टीम कोठी के अंदर घुसी तो डॉ. गोविंद के समर्थकों ने विरोध कर दिया।

मैंने 1 इंच भी सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं किया- डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, मैंने अपने जीवन में 1 इंच भी सरकारी जमीन या किसी दूसरे की जमीन पर कब्जा नहीं किया है। लहार विधायक के पिता का मकान 80त्न सरकारी जमीन पर बना है। लहार में करीब 40त्न मकान सरकारी जमीन पर बने हैं। इस पर प्रशासन क्यों चुप है। एसडीएम ने डॉ. गोविंद के समर्थकों को समझाइश दी। कहा- राजस्व टीम का सहयोग करें। इसके बाद भी नहीं माने तो और पुलिस बुलानी पड़ी।

डॉ. गोविंद के बेटे की याचिका खारिज- 18 जुलाई को भी टीम नाप के लिए पहुंची थी, लेकिन तब नपाई पूरी नहीं हो सकी। इसके दूसरे दिन 19 जुलाई को कांग्रेस नेता के बेटे अमित प्रताप सिंह ने सीमांकन रोकने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। यह खारिज हो गई। ऐसे में आज फिर कार्रवाई शुरू की गई है।

लोगों ने की थी सरकारी रास्ते पर कब्जा कर कोठी बनाने की शिकायत- पूर्व नेता प्रतिपक्ष के लहार स्थित कोठी के सीमांकन का मुद्दा गरमाया हुआ है। आज सीमांकन के लिए राजस्व विभाग की टीम सबसे पहले मढ़यापुरा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंची। यहां से नपाई शुरू की गई। मेन रोड से कोठी नापी जाएगी। कोठी और आसपास के एरिया में दो सर्वे नंबर की तलाश की जाएगी। यह सर्वे नंबर सरकारी बताया जा रहा है। इन दोनों सर्वे नंबर को लेकर ही वार्ड 12 के रहने वाले जाटव समाज के लोगों ने शिकायत की थी कि कोठी सरकारी रास्ते पर कब्जा कर बनाई गई है।

बिहार में लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर सड़क पर विपक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं व लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने प्रतिरोध मार्च निकाला है। इंडिया ब्लॉक के कार्यकर्ता बिहार के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन किया। पटना में इनकम टैक्स चौराहे से मार्च शुरू होकर डाकबंगला चौराहे पर खत्म हो गया। इस मार्च में राजद-कांग्रेस, माले और सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने नीतिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। लेकिन इनकम टैक्स गोलंबर पर बैरिकेडिंग तोड़

प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। हालांकि, इस प्रदर्शन से बड़े कद के नेताओं ने दूरी बनाई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के अलावा अन्य पार्टियों से कोई बड़ा चेहरा शामिल नहीं हुआ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह कहा कि बिहार में जो लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था है, इसमें कई पत्रकारों की भी हत्या हो चुकी है। 4-5 ब्यूरोक्रेट्स से सरकार चला रहे हैं। लोगों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। लालू सरकार में भी इस तरह से हत्या नहीं हो रही थी।

पथराव, आगजनी, तोड़फोड़ और लाठीचार्ज

कश्मीर के बारामूला में पानी की कमी से 'युद्ध' जैसे हालात

बारामूला में हजारों लोग सड़कों पर उतरे, जमकर किया प्रदर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिला इन दिनों जल रहा है। लोग सड़कों पर हैं, धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को तो हजारों लोग हाईवे पर उतर आए और घंटों हाइवे जाम रहा। भारी पुलिस फोर्स पहुंचा और लोगों को हटाने के लिए कई बार ऐलान किया। प्रदर्शन हिंसक हो गया।

आगजनी, पथराव और लाठी चार्ज तक हुआ। बारामूला में यह सब सिर्फ पीने के पानी की कमी के कारण हुआ। प्रदर्शनकारियों के पथराव किये जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) भी घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पट्टन के मीरगुंड इलाके में श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर प्रदर्शन किया

है। भीड़ ने अपने वाहन से गुजर रहे भाजपा के कश्मीर मीडिया प्रभारी साजिद यूसुफ शाह और पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी साहिल बशीर पर हमला किया। बीजेपी ने कहा कि हमले में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों नेताओं के पीएसओ गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। बारामूला के कई इलाके हैं, जहां पीने का पानी नहीं मिल रहा है। जनवरी से ही पानी की कमी हो गई थी लेकिन अब गर्मी के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है। भीषण गर्मी के बीच उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के कनिस्पोरा क्षेत्र के निवासियों को पानी की कमी के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई विभाग ने बताया कि अनंतनाग जिले के संगम में झेलम नदी सूख गई है।

पूजा खेडकर केस में अब दिल्ली पुलिस की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी 2022 की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली आईएएस अफसर पूजा खेडकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यूपीएससी ने उनसे पूछा है कि उनकी उम्मीदवारी क्यों न रद्द कर दी जाए। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच इस बात की भी जांच करेगी कि खेडकर ने पुणे के श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज में घुमंतू जनजाति-3 कैटेगरी में आरक्षण का लाभ उठाकर एमबीबीएस सीट कैसे प्राप्त की। पूजा खेडकर पर यूपीएससी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। मामले की जांच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच करेगी। पूजा खेडकर पर आईपीसी की धारा 420, 464, 465 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, उन पर विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम की धारा 89 और 91 के तहत जांच होगी।

कमाई में केसीआर, खर्चे में ममता की पार्टी की सबसे आगे

20 रीजनल पार्टियों का खर्च आय से ज्यादा, एडीआर की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) खर्च के मामले में देश की सबसे बड़ी रीजनल पार्टी है। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में पार्टी की कमाई 333.45 करोड़ रुपए थी, जबकि खर्च 181.1 करोड़ रुपए किए। वहीं, कमाई के मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) टॉप पर रही। 2022-23 में पार्टी की कमाई 737 करोड़ रुपए रही, जबकि खर्च के 57.47 करोड़ रुपए रहा। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम

जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वायएसआर कांग्रेस कमाई के मामले में तीसरे और खर्च के मामले में दूसरे नंबर पर रही। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में देश की 57 में से 39 रीजनल पार्टियों की कमाई और खर्च का ब्योरा जारी किया है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, सभी पार्टियों को अपनी सालाना आय-व्यय की रिपोर्ट आयोग का सौंपनी होती है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में 39 क्षेत्रीय पार्टियों की कुल आय एक हजार 740 करोड़ रुपए थी जो पिछले साल 2021-22 की तुलना में 20 करोड़ रुपए अधिक है। वहीं पार्टियों का खर्च केवल 481 करोड़ रुपए ही रहा। यानी कमाई के मुकाबले खर्च कम है।

धारावी पर आक्रामक हुए उद्धव ठाकरे, बोला हमला

कहा- मोदी-शाह की 'लड़का मित्र' योजना मुंबई को अडानी सिटी बनाने की साजिश

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह धारावी की जमीन अडानी के गले में डालकर मुंबई को अडानी सिटी बनाने की साजिश कर रहे हैं। उद्धव ने कहा कि सरकार की लड़का मित्र या लड़का कॉन्ट्रैक्टर या लड़का उद्योगपति योजना चल रही है। लेकिन उद्धव ठाकरे ने यह रुख अपनाया कि धारावी के एक भी निवासी को वहां से नहीं हटाया जाएगा। शनिवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार पर हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव सामने आते ही झूठी घोषणाओं की बारिश हो रही है। योजना तब भी शुरू की गई जब लाडली बहन-भाई आदि शुरू हुए।

रायसेन में तेज बारिश सड़कों पर 3 फीट पानी भरा

भोपाल-विदिशा में भी गिरा पानी, उज्जैन, जबलपुर समेत 21 जिलों में अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। शनिवार को भोपाल, रायसेन और विदिशा में तेज बारिश हुई। विदिशा में सड़कों पर 3 फीट तक पानी बहा। कुछ बाइक डूब गईं। छिंदवाड़ा के तामिया में मूसलधार बारिश हुई। निचले इलाकों में पानी भर गया। मौसम विभाग ने इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत 21 जिलों में तेज बारिश होने का अनुमान जताया है। सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, खंडवा, खरगोन, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

प्रदेश में अब तक 11.4 इंच बारिश हो गई है, जो कोटे की कुल बारिश की 35 प्रतिशत है। तेज बारिश की वजह से डैम, तालाबों में भी पानी बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान सीहोर के कोलार डैम, शहडोल के बाणसागर, खंडवा के इंदिरा सागर, नर्मदापुरम के तवा डैम, भोपाल के कलियासोत डैम, राजगढ़ के मोहनपुरा और कुंडालिया डैम में एक से ढाई फीट तक पानी बढ़ गया। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में भी आधा फीट पानी की बढ़ोतरी हुई है।

इसलिए प्रदेश में मौसम बदला- आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि लो प्रेशर एरिया बंगाल की खाड़ी पर एक्टिव हुआ है। अगले 24 घंटे में यह आगे बढ़ेगा। यह ओडिशा, छत्तीसगढ़ को पार करके आगे बढ़ेगा।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है, जबकि मानसून ट्रफ लाइन जैसलमेर, कोटा, गुना, सागर, रायपुरी, पुरी होते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर और पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय है। इन्हीं वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश का दौर चलेगा।

भोपाल हुजूर में बल्लियां-टीन लगाकर करना पड़ा अंतिम संस्कार

ट्रैवल्स संचालक की चिता बारिश में भीगी; दिग्विजय ने कहा- विकास की जमीनी हकीकत

भोपाल (नप्र)। भोपाल की हुजूर विधानसभा में बारिश की वजह से चिता पर अस्थाई टीनशेड डालकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। मामला ग्राम पंचायत चौपड़ा कला का है। यहां श्मशान घाट नहीं है। इसका वीडियो सामने आया है। शुक्रवार को काफी इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं थमी, तो मृतक ट्रैवल्स ऑपरेटर के परिजन और गांव के लोगों ने चिता के चारों ओर बल्लियां गाड़ीं, इसके ऊपर टीन रखकर चिता को अग्नि दी। इतने इंतजाम के बाद भी चिता की लकड़ियों को भीगने से नहीं रोका जा सका। लोग मुश्किल से अंतिम संस्कार की रस्में निभाकर घरों को लौटे।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने यही वीडियो शनिवार सुबह अपने एक्स अकाउंट पर शेयर कर सरकारी सिस्टम को घेरा है। हालांकि, उन्होंने पहले वाली पोस्ट डिलीट की, थोड़ी देर बाद फिर इसे पोस्ट किया। इसकी वजह बताते हुए दिग्विजय सिंह के स्टाफ ने कहा कि दो पोस्ट हो गई थीं, एक पोस्ट डिलीट की।

डबल इंजन सरकार का नमूना...- दिग्विजय सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, भाजपा की डबल इंजन सरकार का नमूना। कथित विकास की जमीनी हकीकत देखिए, राजधानी भोपाल से सटी ग्राम पंचायत चौपड़ा कला में श्मशान घाट नहीं है। ग्रामीणों को बरसते पानी में जुगाड़ कर शव दाह करना पड़ता है।

ट्रैवल्स संचालक की हुई थी मौत- ग्राम पंचायत चौपड़ा कला के सूखी सेवनिया स्टेशन गांव के रहने वाले 29 वर्षीय दीपक लोधी की तबियत बिगड़ गई थी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन बचाया नहीं जा सका। दीपक के भाई विजय लोधी ने बताया कि हमारे गांव में करीब 200 लोगों की आबादी है। गांव में श्मशान घाट नहीं होने से परेशानी होती है। मेरे भाई के अंतिम संस्कार के लिए हम लोगों को खुद टीन शेड डालकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। दीपक ट्रैवल्स संचालक थे।

दिग्विजय ने फंड देने की बात कही- चौपड़ा कला ग्राम पंचायत हुजूर विधानसभा क्षेत्र में आती है। वीडियो सामने आने के बाद पूर्व सीएम दिग्विजय ने ट्वीट किया। दिग्विजय सिंह ने अपनी सांसद निधि से गांव में श्मशान घाट के लिए फंड देने की बात भी कही है।

मधुवन संस्था का गुरु वंदना, महोत्सव 27 जुलाई को

7 श्रेष्ठ कला आचार्यों का सम्मान होगा

भोपाल (नप्र)। साहित्य संगीत और कलाओं की अग्रणी मानक संस्था मधुवन अपने पारम्परिक गुरु शिष्य परंपरा पर एकाग्र 54 वे गुरु वंदना महोत्सव का आयोजन 27 जुलाई को मानस भवन में करने जा रही है।

मधुवन संस्था के निदेशक पंडित सुरेश तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के विविध कला जगत के 7 श्रेष्ठ कला गुरुओं का उनकी दीर्घकालीन अनवरत साधना के लिये सम्मान किया जाएगा।मानस भवन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में शीर्ष साहित्यकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, रंगकर्म के क्षेत्र में उदय शहाने,संगीत विधा में उज्जैन के रमाकांत दुबे ,धर्म,संस्कृति, ज्योतिषी पंडित भंवर लाल शर्मा,पत्रकारिता में राजेश बादल, तबला गुरु अजय सोलंकी तथा लोककला के क्षेत्र में डा महेश चंद्र शांडिल्य को कला आचार्य की मानद उपाधि से विभूषित कर सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में विधायक रामेश्वर शर्मा मुख्य अतिथि तथा शिक्षाविद संतोष चौबे महोत्सव की अध्यक्षता करेंगे।गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित इस लोक आस्था के समारोह में पधारने का विनम्र आग्रह संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों ने किया है।

सामान्य भविष्य निधि वार्षिक लेखा विवरण वेबसाइट पर अपलोड

भोपाल (नप्र)। कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखाओं के वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखा विवरण कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। अभिदाता अपनी सीरीज प्रविष्टी करके तथा एकाउन्ड नम्बर कॉलम में अपना सामान्य भविष्य निधि लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड प्रविष्टी करके लेखा विवरण प्राप्त कर सकते है।

'पचमढ़ी मानसून मैराथन' का 6वां संस्करण 21 जुलाई को

देशभर से 1100 से अधिक धावक पहुंचेंगे पचमढ़ी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) के सहयोग से 'एडवेंचर एंड यू' (के.ए. कनेक्ट) द्वारा नर्मदापुरम जिले में स्थित पचमढ़ी में 21 जुलाई, रविवार को पचमढ़ी मानसून मैराथन का छटवां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इंदौर, भोपाल, नागपुर, मुंबई, नई दिल्ली, सहित देशभर से 1115 प्रतिभागी हिस्सा लेने के लिये पचमढ़ी पहुंच गए हैं।

मैराथन चार श्रेणियों- 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 21 किलोमीटर और 42 किलोमीटर में होगी। सभी दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेनव्यू से होगी, जिसको फ्लैग-ऑफ नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक सुश्री विदिशा मुखर्जी द्वारा किया जाएगा।

इंदौर आईआईटी कैंपस के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, आईएसआई के नाम से आया मेल

भोपाल (नप्र)। इंदौर में आईआईटी कैंपस के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नाम से प्रिंसिपल के ऑफिशियल आईडी पर मेल आया है। मेल शुक्रवार शाम 5.22 बजे मिला। इसमें स्कूल को 15 अगस्त को बम से उड़ाने की बात लिखी है।

स्कूल के सिक्योरिटी ऑफिसर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

है। एसपी ग्रामीण रितिका बसल के निर्देश पर सिमरोल पुलिस ने केस दर्ज किया है। मामले में साइबर टीम भी जांच कर रही है। डीएसपी हेडक्वार्टर ग्रामीण उमाकांत चौधरी ने बताया कि मेल में कई अपशब्द लिखे हैं। फिलहाल आईआईटी परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी है। सभी विद्यार्थियों को आईडी के साथ ही एंट्री दी जा रही है। वहीं अभिभावकों को गेट नंबर 2 के बाद आने की अनुमति नहीं है।

कार की चपेट में आई एक साल की बच्ची, मौत

घुटनों से चलकर पहुंच गई कार के पीछे, रिवर्स करते वक्त हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक साल की बच्ची की कार की चपेट में आने से मौत हो गई। बच्ची की मां रातीबड़ इलाके के ग्राम बरखेड़ी खुर्द में एक घर काम करने पहुंची थी।

बच्ची की मां घर का काम कर रही थी, जबकि बच्ची लॉन में खेल रही थी। खेलते-खेलते वह घुटनों के बल चलकर कार के पीछे चली गई। इसी दौरान मकान मालिक ने कार स्टार्ट की, और बाहर निकलने के लिए रिवर्स ली। इससे मासूम कार की चपेट में आ गई।बच्ची को इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार की देर रात बच्ची की मौत हो गई।

कार रिवर्स करते समय आई चपेट में- एसआई जितेंद्र यादव ने बताया- पिंकी बोरेले ग्राम बोरपानी की रहने वाली हैं। वह नीलबड़ स्थित बरखेड़ी खुर्द के एक बंगले में काम करती है। वह गुरुवार दोपहर इसी बंगले में काम करने के लिए गई थी।उसके साथ उनकी एक साल की बेटी लक्ष्मी थी। वह घर के लॉन में खेल रही थी। बच्ची घुटने के बल चलती हुई लॉन में खड़ी कार के पीछे जाकर बैठ गई। कार में मकान मालिक धर्मेंद्र पहले से बैठे थे। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि कार के पीछे बच्ची बैठी है। कार रिवर्स करते समय बच्ची इसकी चपेट में आ गई।

बच्ची की मां ने शोर किया तो मालिक ने कार रोक दी। तत्काल घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक दिन चले इलाज के बाद बच्ची की शुक्रवार की रात को मौत हो गई।

कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक

दिग्गी, पटवारी, उमंग, जितेन्द्र सिंह थे मौजूद

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। आज भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक हो रही है। इस बैठक में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेन्द्र सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, कांतिलाल भूरिया सहित कमेटी के तमाम मेंबर मौजूद थें। बैठक में कांग्रेस के सह प्रभारी सीपी मित्तल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, विक्रांत भूरिया, बाला बच्चन, अशोक सिंह, फूल सिंह बरैया, मीनाक्षी नटराजन, हिना कांवरे, कमलेश्वर पटेल, राजीव सिंह, डॉ विजयलक्ष्मी साधौ, प्रियव्रत सिंह, आरिफ मसूद, केपी सिंह, सिद्धार्थ कुशवाहा मौजूद हैं।

पिछली बैठकों में हुई चर्चाओं पर होगा मंथन- लोकसभा चुनाव में हार के बाद भोपाल में हुई कांग्रेस की बैठकों के दौरान आई बातों को इस बैठक में रखा जाएगा। एआईसीसी द्वारा बनाई गई फैक्ट फाइंडिंग कमेटी में आए विषयों पर भी इस बैठक में चर्चा होगी। इसके बाद आगामी समय के लिए कांग्रेस प्रोग्राम तय कर सकती है।

घोटालों पर आक्रामक होगी कांग्रेस- मप्र में नर्सिंग घोटाले, प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी, नीट फर्जीवाड़े सहित तमाम मुद्दों को लेकर कांग्रेस और ज्यादा आक्रामक होगी। भोपाल के बाद प्रदेश के सभी जिलों में इन मुद्दों पर धरना-प्रदर्शन आंदोलन किए जाएंगे।

नीट, नर्सिंग घोटाले के पीडित छात्रों से मिलेंगे कांग्रेस नेता- पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के निर्देश पर अब सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई के पदाधिकारी नीट और नर्सिंग घोटाले में उलझे स्टूडेंट्स से मिलकर उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देंगे। पटवारी ने सभी जिलाध्यक्षों को इस संबंध में पत्र भी लिखा है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की दो महिलाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए ठगी हो गई। शहर के जहांगीराबाद और तलैया इलाके में रहने वाली इन महिलाओं को एचआर की नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। एक महिला से 7 लाख और दूसरी से 8 लाख रुपए लिए गए।

भरोसा दिलाने के लिए महिलाओं को फर्जी ऑफर लेटर से लेकर ज्वाइनिंग लेटर तक मेल किए गए। युवक ने दोनों महिलाओं का ऑनलाइन इंटरव्यू भी कराया गया। उन्हें 50 हजार रुपए महीने की सैलरी देने का तक का झांसा दिया था। महीनों बाद भी जब दोनों की ज्वाइनिंग नहीं हुई तो संबंधित थानों में शिकायत की।

पुलिस ने इसे साइबर फ्राड बताया और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। तब महिलाओं ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत की।

कहा- कुछ खर्च करने पर दिला देंगे जॉब- हिना आफताब (19) पत्नी फराज खान फतेहगढ़ में रहती हैं। उन्होंने बताया कि नबील सिद्दीकी नाम का युवक कमला पार्क इलाके में रहता है। वह स्वयं को अमाजन कंपनी का एचआर बताता है। आरोपी ने उनकी

पुरानी पहचान थी। उसने अमाजन में एचआर की नौकरी लगावाने का झांसा दिया। झांसा दिया कि कुछ खर्च करने पर उसे यह जॉब दिला सकता है।

जॉब में एग्रीमेंट होगा कि कम से कम पांच साल तक कंपनी जॉब से नहीं निकालेगी। जॉब वर्क फ्रॉम होम होगा। आरोपी की बातों में आने के बाद हिना ने आरोपी को करीब 10 बार में सात लाख रुपए फोन पे और आरटीजीएस के माध्यम से दे दिए। ठीक इसी तरह का झांसा देकर आरोपी ने फातिमा खान निवासी जहांगीराबाद के साथ भी ठगी की है। आरोपी ने उनसे करीब आठ लाख रुपए ठगे हैं।

शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई

हिना ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत तलैया थाने में की थी। वहां पुलिस ने आवेदन लेकर चलता कर दिया। आज दिनांक तक आरोपी नबील के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वह लगातार कॉल कर शिकायत वापस लेने की धमकी दे रहा है। पुलिस के रवैये की शिकायत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में भी की है।

22 जुलाई को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी की हड़ताल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कैबिनेट व राज्य सरकार द्वारा संविदा नीति 2023 मध्यप्रदेश कैबिनेट से स्वीकृत कर सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 22 जुलाई 2023 को संविदा नीति जारी कर समस्त विभागों को तत्काल लागू करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, परंतु एक वर्ष पूरा होने के उपरांत भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा अब तक मानव संसाधन नीति जारी कर संविदा नीति 2023 के समस्त प्रावधान लागू नहीं किए गए हैं। यह कहा एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजय ठक्कर ने। उन्होंने बताया कि इसके विरोध में प्रदेश भर के सभी 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर रहेंगे। एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय ठक्कर ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण प्रदेशभर के 32 हजार एचएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मी सामूहिक छुट्?टी लेकर सेवा के दौरान मृत हुए साथियों के परिवार को न्याय दिलाने राज्य स्तरीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन एचएचएम कार्यालय भोपाल के सामने करेंगे।

सवारी के चलते उज्जैन में रविवार को लगेंगे स्कूल, सोमवार अवकाश

सावन माह में महाकाल मंदिर में 5 ड्रोन और 2000 से अधिक पुलिस जवान संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

उज्जैन (नप्र)। 22 जुलाई से शुरू हो रहे सावन माह में देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में पहुंचने की उम्मीद है। प्रशासन ने सुलभ दर्शन का प्लान तैयार किया है। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि रोजाना डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु आने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके लिए रात 2 बजे होने वाले भस्म आरती में रोजाना करीब 15 हजार भक्त भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे , इसमें चलित व्यवस्था भी शामिल है। इसके अलावा आम श्रद्धालुओं को एक घंटे के अंदर सुलभ दर्शन कराने की व्यवस्था भी की गई है। देश भर से आने वाले भक्तो के सतह ठगी की वारदात ना हो होटल मालिकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे तय राशि से ज्यादा राशि नहीं ले।

श्रावण मास की सवारियों को देखते हुए उज्जैन नगर निगम सीमा के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 1 से कक्षा 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों का सोमवार को अवकाश रहेगा। इसके स्थान में रविवार को स्कूल लगाए जाएंगे। बाबा महाकाल के मंदिर से शाम चार बजे सवारी निकलेगी इससे पहले रास्ते बंद कर दिए जाते है , इस दौरान भीड़ भी बहुत होती है। जिसके चलते प्रशासन ने स्कूल के अवकाश का निर्णय लिया है। जिसमें में जनजातीय कलाकारों का दल भी सहभागिता करेगा। साथ ही 2

चलित रथ के माध्यम से बाबा महाकाल की सवारी का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इस चलित रथ की विशेषता यह है कि इसमें लाइव बॉक्स रहेगा, जिससे लाइव प्रसारण दिखाई देगा। कलेक्टर सिंह ने बताया कि होटल में निर्धारित रेट लिस्ट से अधिक पैसा लेने वाले होटलों को सील किया जाएगा। साथ ही उनके पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

जल अर्पित कर सकेंगे भक्त - श्रावण भादौ माह में भक्तों की संख्या को देखते हुए जल पात्र को रखा गया है। इनकी संख्या बढ़ाते हुए इसका विस्तार किया गया है। जिसमे जल अर्पित करने की ट्रे की संख्या बढ़ा दी गई है ताकि अधिक संख्या में श्रद्धालु लगे जल पात्र में जल अर्पित करेगे। श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किया गया जल पाइप के माध्यम से मंदिर के गर्भगृह में लगे अभिषेक पात्र के माध्यम से भगवान श्री महाकालेश्वर जी को समर्पित होगा। इसके अतिरिक्त दर्शन के दौरान भी जल अर्पण हेतु गणेश मण्डप में भी पटलों पर भी स्टील का पात्र रखा जाएगा।

5 ड्रोन, 2000 से अधिक पुलिस जवान करेंगे श्रद्धालुओं की सुरक्षा - पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि बाबा महाकाल की सवारियों के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए 2000 से अधिक का पुलिस बल और वॉलिंटियर्स तैनात रहेंगे। सवारी मार्ग पर पड़ने वाली विभिन्न गलियों का वेरिफिकेशन किया जा चुका है। रविवार सुबह से भौतिक सत्यापन की कार्रवाई भी की जाएगी। पांच ड्रोन के माध्यम से संपूर्ण सवारी मार्ग की निगरानी होगी। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और यातायात प्रबंधन के लिए डबल लेयर बैरिकेडिंग की गई है। इसी के साथ कम समय में यातायात सुचारु करने के लिए बफर जोन भी बनाया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध लोगों की जांच कर बाउंड ओवर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पार्किंग व्यवस्था में प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि श्रद्धालुओं से निर्धारित शुल्क से अधिक न लिया जाए। अल्कोहल टेस्ट डिवाइस के माध्यम से वाहन चालकों की चेकिंग की जाएगी नियमों के उल्लंघन पर ई रिक्शा वाहनों पर भी कार्रवाई होगी।

पुस्तक समीक्षा

सुभाषिनी लता कुमार
(समीक्षक फीजी नेशनल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर है)

मॉरीशस और फीजी: विश्व हिंदी सम्मेलन के झरोखे से

वाप्रलेक, मुंबई ने अभी-अभी एक पुस्तक प्रकाशित की है। उसका शीर्षक है 'मॉरीशस और फीजी- विश्व हिंदी सम्मेलन के झरोखे से'। इसके लेखक है कृपाशंकर चौबे जो हिंदी साहित्य और पत्रकारिता में सुप्रतिष्ठित है। यह पुस्तक 2018 में मॉरीशस में आयोजित 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन और 2023 में फीजी में आयोजित 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन की गतिविधियों के साथ ही वहां के लोकरंग की विस्तृत जानकारी देती है। पुस्तक बेहद सहजता से पाठकों के अंतर्मन में दाखिल हो जाती है और आपको एक ऐसी ज्ञानवर्धक यात्रा पर ले जाती है जहाँ आप विश्व हिंदी सम्मेलन की व्यवस्था व उसके उद्देश्य को नजदीक से समझ पाते है और उन सम्मेलनों में हुई चर्चाओं, पारित प्रस्तावों, अनुशंसाओं और सुझावों से भी परिचित हो जाते है। इस पुस्तक से मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुई और फीजी के नादी शहर के पर्यटन स्थलों का रोचक परिचय भी मिलता है।

पुस्तक के 'खिदिरपुर घाट से आप्रवासी घाट' शीर्षक अध्याय में 2018 में मॉरीशस में आयोजित 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। भारत से गिरमिटिया मजदूरों के प्रस्थान के बारे में लेखक ने लिखा है, कोलकाता में हुगली नदी के किनारे स्थित खिदिरपुर घाट से भारत के लाखों अनुबंधित मजदूर मॉरीशस, फीजी जैसे कई देशो में गए। इसलिए खिदिरपुर घाट को गिरमिटिया घाट कहा जाता है। इसी घाट से प्रवासी भारतीयों की दुःखद गिरमिट यात्रा का आरंभ हुआ और इस पुस्तक का आरंभ भी इस घाट के वर्णन से होता है। खिदिरपुर घाट में गिरमिटिया मजदूरों के सम्मान में 2011 में जहाजरानी मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सरकार और कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के सहयोग से एक स्मारक बना है जिसकी यात्रा लेखक ने स्वयं की और उस जगह से संबंधित जानकारियों को अपने लेखन में शामिल किया। कलकत्ता में बने इस स्मारक का वर्णन वे इन शब्दों में करते है, «स्मारक के ठीक पीछे बरगद का बूढ़ा पेड़ आप्रवासन की स्मृतियों को अपने अंग में दबाए निःशब्द खड़ा है।» कृपाशंकर चौबे ने जगह-जगह पर अपने अनुभवों को चित्रों और रोचक तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया है जिससे पढ़ते समय सजीवता बनी रहती है और लेखक की स्मृतियों के साथ एक जुड़ाव महसूस होता है। लेखक की कलात्मक दृष्टि भी हमारे सामने उभरकर आती है जब वे मॉरीशस के आप्रवासी घाट का वर्णन करते है।

यह पुस्तक विश्व हिंदी सम्मेलन का रचनात्मकता के साथ-साथ वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट है। प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान निकलने वाले 'हिंदी विश्व' समाचार पत्र की दिलचस्प प्रक्रिया हमारे साथ साझा की है। इसके अलावा 11वें व 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को कृपाशंकर चौबे ने रेखांकित किया है। पुस्तक में लेखक ने मॉरीशस और फीजी में अपने प्रवास के दौरान जीवन प्रकरण से जुड़ी कई सच्ची घटनाओं को उकेरा है। स्पष्ट है कि ऐसे चित्र बड़े जीवंत बन पड़े है और लेखक ने वहाँ की संस्कृति को बेहतर रूप से हमारे सामने रखा है। इन रेखाचित्रों को पढ़कर मौसम, परिवेश, लोगों का रहन सहन, संस्कारों आदि की भारत के साथ तुलना की जा सकती है। इस तरह लेखक ने पुस्तक में मॉरीशस और फीजी की लोक संस्कृतियों का प्रासंगिक रूप दर्शाया है। 'नागपुर से नादी' अध्याय में लेखक ने 15 से 17 फरवरी 2023 तक फीजी गणराज्य में आयोजित 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन को केंद्र में रखा है। वे लिखते हैं कि विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक स्वागत कार्यक्रम देर तक चला। फीजी के काईवीती आदिवासियों ने नैसर्गिक शक्तिओं का आह्वान किया। उस आह्वान में विश्व के सुख-शांति देने की कामना की गई। एक प्रकार का साधना क्रम है जिसमें सामूहिक रूप से प्रार्थना की जाती है। यह प्रकृति संरक्षण का सुन्दर विधान है, जो फीजी के पारंपरिक जीवन का अभिन्न अंग है। उद्घाटन समारोह में भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्य जयशंकर का नगोना से पारंपरिक स्वागत किया गया था।

इस पुस्तक के अंतिम खंड में इन देशों के प्रमुख साहित्यकारों के साक्षात्कार भी सम्मिलित है। बहुचर्चित उपन्यास 'पथरीला सोना' के उपन्यासकार रामदेव धुरंधर मॉरीशस के सुप्रसिद्ध साहित्यकार है। कृपाशंकर चौबे से संवाद के दौरान उपन्यासकार रामदेव धुरंधर 'पथरीला सोना' के सृजन के संबंध में कई रोचक जानकारी साझा करते है। फीजी हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रो. सुब्रमनी का नाम भी अग्रणी श्रेणी में लिया जाता है। प्रो. सुब्रमनी ने फीजी हिंदी में 'डउका पुरान' और 'फीजी माँ-हजारों की माँ' जैसी औपन्यासिक कृतियों का सृजन कर अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त की है। उन्हें फीजी हिंदी साहित्य का अग्रदूत कहा जाता है। उनकी रचना प्रक्रिया पर प्रो. चौबे ने उनसे बातचीत की है।

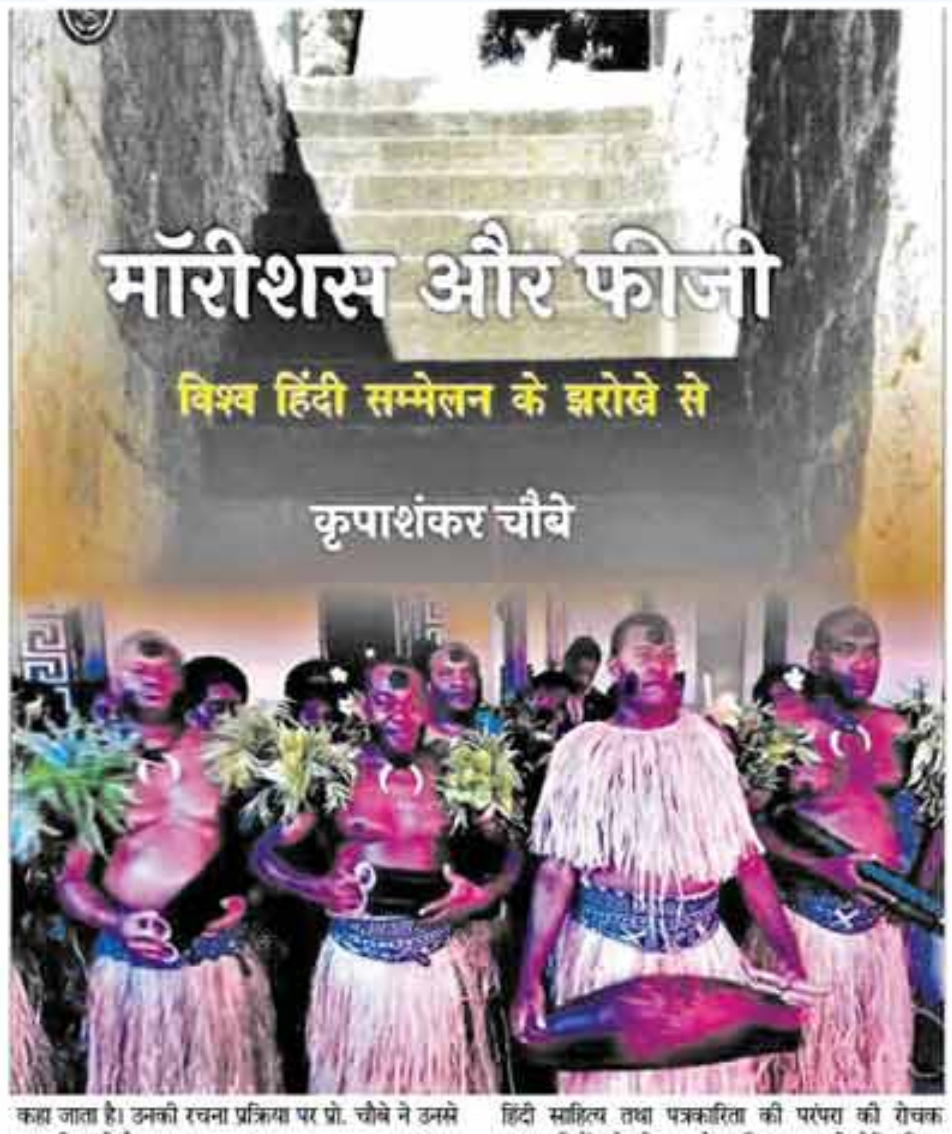

पुस्तक में कृपाशंकर चौबे ने मॉरीशस और फीजी के भारतवंशियों की पुरानी और नई पीढ़ी का बेहद सटीक शब्दचित्र भी खींचा है। मॉरीशस और फीजी के इतिहास, हिंदी साहित्य तथा पत्रकारिता की परंपरा की रोचक जानकारियों को लेखक ने क्रमिक रूप से ऐतिहासिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है। इस प्रस्तुति में लेखक की शोधपरक दृष्टि का पता चलता है। इन देशों के नामकरण, राजनैतिक सत्ता, आर्थिक गतिविधियों, साहित्यिक विकास और हिंदी भाषा से जुड़ी गतिविधियों के द्वारा पाठक को दोनों देशों को करीब से जानने का अवसर मिलता है। पुस्तक में वर्तमान के साथ-साथ अतीत की घटनाओं का समावेश सुगमतापूर्वक किया गया है।

इसीलिए आज की उपलब्धियों पर गौर करने से पहले लेखक ने अतीत की ओर झांका है जो पाठकों को वर्तमान की परिस्थितियों को समझने के लिए एक पृष्ठभूमि तैयार करता है कि आज की उन्नति के पीछे गिरमिटिया भारतवंशियों का खून पसीना और सोच है। लेखक गिरमिटियों के इतिहास को नमन करता है। नादी से नागपुर शीर्षक अध्याय में लेखक ने पं. तोताराम सनाढ्य की पुस्तक 'फीजी में मेरे 21 वर्ष' के सार को प्रस्तुत किया है जिसमें पं. तोताराम सनाढ्य द्वारा गिरमिट के मार्मिक अनुभव, औपनिवेशिक सरकार की हिंसा, गिरमिटिया मजदूरों के बीच नैतिक और धार्मिक मूल्यों का पतन, भारतीय महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार तथा मजदूरों की विवशता संबंधी अनुभव हर एक भारतीय के दिल को छू लेने वाला है।

भारत से दूर बसे इन दोनों देशों में भारतवंशियों की अपनी जड़ों को लेकर पाई जाने वाली तड़प को कृपाशंकर चौबे ने अपनी यात्रा के दौरान देखा और महसूस किया। इसलिए वे मॉरीशस और फीजी को छोटा भारत मानते है। जड़ों से दूर जाकर और कई पीढ़ियों से अलग थलग रहते हुए इन भारतवंशियों की अपनी मातृभूमि भारत के लिए जो रागात्मकता है, उसने लेखक को कई स्तरों पर प्रभावित किया है। मॉरीशस और फीजी के भारतवंशियों को कृपाशंकर चौबे गिरमिटिया भारतवंशी पुकारते है। उन्होंने पुस्तक में मॉरीशस और फीजी द्वीप के लोक रंग और वहाँ की चुनौतियों का यथार्थ और सजीव चित्रण किया है। उन्होंने दोनों देशों की प्राकृतिक सुंदरता का सटीक शब्दचित्र पाठकों के समक्ष रखा है। उनका दोनों देशों का प्राकृतिक चित्रण इतना लुभावना है कि पाठक के मन में यह लोभ उत्पन्न होता है कि वे कभी जाकर इन देशों की यात्रा करें।

मॉरीशस और फीजी: विश्व हिंदी सम्मेलन के झरोखे से, **लेखक**- कृपाशंकर चौबे, **प्रकाशक**-प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई, प्रथम संस्करण-2024, **पृष्ठ**-112, **कीमत**-200 रुपए।

कविता

राजकुमार कुम्भज

1

स्टूल पर कैसे बैठती है चिड़िया ?
तभी मैंने देखा कि स्टूल पर बैठा एक आदमी
अपनी तमाम नैतिकताएं और ज़रूरतें लेते हुए
गया अंदर, उस एक कमरे के अंदर
जहां बैठा था एक चतुर सुजान चिड़ीमार
गुफ्तगू की दोनों बंदों ने चिड़िभाषा में ही
और मार दी चिड़िया वह
जो बैठी थी बाहर प्रतीक्षारत कि होगा न्याय
न्याय की चिड़िया भी आजकल
गुफ्तगू करती है तो करती है कुछइसी तरह
एकफ़क्कीरे के जरिए ही जान पाया मैं ये रहस्य
कि कमरे के अंदर बैठे आदमी के वजूद-विरुद्ध
स्टूल पर कैसे बैठती है चिड़िया?

2

मनुष्य होने के शिल्प
सवाल अनगिनत हैं
और अनगिनत हैं सलीक़े भी
ज़िंदगी के, कविता के, भाषा के
लेकिन मनुष्य होने के शिल्प भी कोई कम नहीं
जो आते हैं तो कविता से ही

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

समीक्षा तैलंग

कवि के नाम चोर की पाती

हे कविवर! मैं आपको अपना प्रेरणास्रोत मानता था। आप मेरे गुरु हैं। फिर कैसे ये गलती हुई मुझसे मैं नहीं जानता।
बचपन से आपके जैसा महान कवि बनना चाहता था। आपकी लिखी 'आधी रोटी का चाँद' वाली कविता मुझे बेहद पसंद थी। मैं उस चाँदतक पहुँचना चाहता था। मगर न चाहते हुए भी उस रोटी में उलझकर रह गया।

आप मनुष्य को ही क्या फूलों की खुशबू को भी लिखकर सुगंध फैलाने की ताकत रखते थे।मैं भी उसी सुगंध में खो जाना चाहता था। मगर मेरा जन्म उस चाल में हुआ जहां संडास की गंध के आगे सारी सुगंधअप्रभावी थी।मैं आपके जैसा विद्वान कवि बनना चाहता था जो लोगों की आवाज बने। मगर मैं अपनी ही आवाज दबाने को मजबूर था। मेरा कवि मर रहा था औरभूख हर समयमेरे सामने मुँह बाये खड़ी थी।

मैंने बहुत कोशिश की कि मैं कवि बनकर जीयूँ और सच मानिए मैंने बहुत सारी कविता भी लिखीं। वो कविताएँ पेट पर भारी पड़ने लगीं। जब नजरें उठाकर चारों ओरदेखा तो अजब ही दृश्य था। कवि ही चोरी में संलिप्त थे। वे किसी और और की कविताओं को अपना बनाने में लगे थे। असल में वे आपके जैसे नहीं थे। आपके जैसा जल्दी कोई हो भी नहीं सकता। उन्हें देखकर लगा कि मैं भी चोरी कर सकता हूँ।मैंने उसी को अपना आचरण बनाया और अपना पेट भरने के लिए चोरी करने लगा।

उसी दरमियान एक रात एक घर में चोरी करने के इरादे से गया। वहाँ कोई नहीं दिखा तब खिड़की तोड़कर अंदर घुसा। देखकर मैं खुश था कि मेरी मतलब की सारी चीजें वहाँ है। नून, तेल, आटा, किराना, कपडे सब एक ही जगह मिल गया। फिर एक रात उसी घर सेटीवी और टेबल फैन भी उठाकर लाया।तब मुझे नहीं पता था कि ये मेरे गुरु कविवर का घर है।

जब तीसरे चक्कर में पता चला उसके बाद मैं सो नहीं पाया। आपने जो सिखाया वो मैं कभी नहीं भूल सकता। आपने मुझमें जिम्मेदारी का भाव जगाया इसी कारण अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा हूँ।अंतर ये था कि छोटी बुद्धि में सही-गलत का रास्ता नहीं चुन पाया। दरअसल मेरे बड़े होने तक आप इस संसार को छोड़कर चले गये और मेरे उदाहरण वे कवि बने जो चोरी करके लिखते थे।

अब मैं आपका टीवी वापिस कर रहा हूँ।राशन वापिस नहीं कर रहा। बच्चा, पत्नी और माँ दो दिन से भूखे हैं। हे कविवर हो सके तो मुझे माफ कर देना।मैं आपका सदैव ऋणी रहूँगा।आगे से आपके घर कोई और भी चोरी करने आये तो उसे अपने गुरु का हवाला देकर आपके घर चोरी करने से रोकूँगा। मुझे अफसोस है कि आपकी असली मजदूरी को मैं कभी समझ ही नहीं पाया। आप अनाथ थे और मेरे जैसे ही चाल में बड़े हुए। ये सब अब जाकर मुझे पता चला है। कविता के साथ-साथ कवि का परिचय भी पढ़ लेता तो शायद चोरी करने से बच जाता।

आपके जैसा पद्म पद निश्चित ही नहीं ही ले सकता था। परंतु यह निश्चित होता कि मैं पढ़-लिखकर कोई छोटी-मोटी नौकरी कर लेता और चोरी के घृणित धंधे से बच जाता। इस पूरी घटना के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि किसी कविता के मर्म को जानने के लिए कवि के निजी जीवन में जरूर झांक लेना चाहिए। कविता के मर्म के साथ-साथ कवि का जीवन भी उसी समय पहचान लेता तो शायद आज मैं अपराधी बनने से बच जाता।

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आपका शिष्य।

लघुकथा

पानी

डॉ. श्यामबाबू शर्मा

वह प्रांत और शहर अब छूट चुका था। चतुर्भुज जब भी अपने गृह नगर में कुछ खामी देखते तो उन्हें अपना पुराना वर्किंग स्टेशन याद आ जाता। ट्रैफिक सिग्नल पर जब लोग गाड़ियों के बंद शीशों के अंदर से एक दूसरे की माताओं बहनों से नातेदारी जोड़ते तो बरबस वे तुलनात्मक अध्ययन करने लगते। अनुशासित लोग, अनुशासित जीवन शैली। न किसी के प्रति विद्वेष न कूटनीतिक वैचारिकी से प्रतिघात। स्थानीयता और मौसमी विषमता ने उन्हें विशेष खान पान के लिए विवश सा कर दिया था। परंतु वे आदमखोर न थे। कहते हैं कि 'का हिया तुम्हई नार गाड़ी गई है?' शायद इसी मोह से चतुर्भुज ने अपना स्थानांतरण गृह क्षेत्र में करवा लिया। नाती के जन्मदिन पर आज जल्दी पहुंचने में जब आफिस से निकले तो खाली बोतल भरवाना विस्मृत हो गया। जिस चपरासी को इनके आफिस की जिम्मेदारी दी गई थी वह छुट्टी पर था।

ये अपने विभाग के शैतान और पुरोहित स्वयं ही थे। बस स्टाप पहुंचने पर याद आया। समस्या का त्वरित निस्तारण वाटर बाटल खरीदने की तसल्ली से हुआ कि सामने वाटर वेंडिंग मशीन से दो रूपये में एक लीटर पानी। दो चार लोग लाइन में। 'फुटकर दो रूपये।' हर व्यक्ति से यही सवाल। जो कोई पांच या दस का सिक्का देता उसे पानी देने से इंकार। चतुर्भुज ने दो का सिक्का दिया और पानी लिया। पीछे एक बुजुर्ग लाठी थामे पानी की बोतल और पांच का सिक्का लिए लाइन में। फिर वही सवाल 'छुट्टा लाव।' बुढ़े ने थैली टटोली मगर सब बंधे पैसे। जीवन के सहेज्य साहस ने तर्क किया, 'उइ छाखौ छुट्टा धरे हैं।' मगर सरकारी बस अड्डा, ठेके की वेंडिंग मशीन और ठेकेदार का आदमी। उसका निर्मम होना अस्वाभाविक न था। चतुर्भुज को दया आई। 'रुको बाबा हम दो रुपिया दे रहे हैं आप पानी लइ लें।' बुढ़े की आंखों में पानी आ गया। सुखी रहौ बाबू। अभी हमैं पास पानी बचा है यहि ते काम चला लेब।

फिल्म समीक्षा

आदित्य दुबे
(लेखक वेबसाइट ई-अन्तर्मंच के प्रबन्ध संचालक है।)

सैन्य और खुफिया बल की पृष्ठभूमि पर सफल सिरीज़

देश की सुरक्षा में दिन- रात सम्बद्ध रहने वाले फौजियों और खुफिया विभाग में कार्यरत कर्मियों को ज़िन्दगी की राहें आसान नहीं होती है। उनके कर्तव्य पालन में कदम-कदम पर खतरे होते है और हर दिन उनका एक नये जोखिम से सामना होता है। उनकी जीवनशैली पर सदैव रहस्य का एक परदा भी होता है और इसी रहस्य के साथ उनकी कार्यशैली भी कुछ खास होती है। पहले फिल्में और अब वेबसिरीज़ इन रहस्यमय चरित्रों के साथ समय-समय पर अपनी कल्पना को जोड़कर पर्दे पर उतारती रही है। इसी कड़ी में डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हाल ही में प्रसारित वेबसिरीज - कमाण्डर करण सक्सेना एक नई प्रस्तुति है। इस सिरीज़ की कहानी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक एजेंट की केन्द्रीय भूमिका के इर्द-गिर्द बुनी गई है और इस शीर्षक भूमिका को अभिनेता गुरमीत चौधरी ने बखूबी निभाया है ।

निर्देशक जतिन वागले ने जय शीला भंसाली और विवेक मलिक के साथ इसकी पटकथा लिखी है। उनके पास मूल कहानी के आधार पर कहने को बहुत कुछ था लेकिन जिस तरह इसे पर्दे पर उतारा गया है, उसमें कथातत्व की मौलिकता ध्वस्त होती है और इसी से कमाण्डर करण सक्सेना के रूप में गुरमीत चौधरी अपनी दमदार एक्टिंग और बेजोड़ वीरता दिखाने के बावजूद सिरीज को उस ऊंचाइयों तक नहीं पहुंचा पाये जो कहानी में अपेक्षित था। पहले एपीसोड में ही कमांडर करण सक्सेना जबरदस्त एक्शन और खोजी कहानी के बूते माहौल बनाने में तो कामयाब हो जाती है। सिरीज की कहानी की गति भी अच्छी है और यह पहले एपीसोड से ही दर्शकों को बाँध भी लेती है। खासकर करण सक्सेना और आईएसआई चीफ नासिर खान (इकबाल खान) के बीच चूहे-बिल्ली का खेल आपको पसंद आता है। इसके अलावा एसीपी रचना (हृता दुर्गुले) और करण की दोस्ती भी आपका दिल लगाती है। कहानी उत्सुकता बनाए रखती है। लेकिन जैसे-जैसे यह आगे बढ़ती है सब कुछ प्रेडिक्टेबल हो जाता है। आप पहले ही समझ जाते हैं कि आगे क्या ट्विस्ट आने वाला है, और यही बात खलने लगती है।

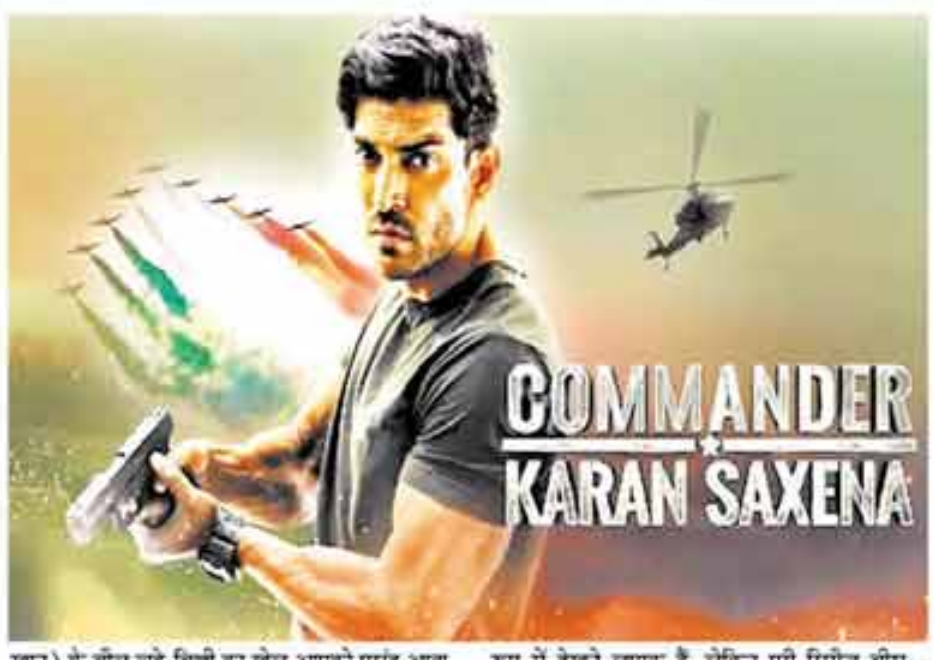

वेबसिरीज़ के पहले पाँच एपीसोड एक आकर्षक कहानी, दमदार अभिनय के साथ एक जासूसी थ्रिलर के रूप में देखने लायक है, लेकिन पूरी सिरीज बीस - एपीसोड की है। कहानी आगे प्रेडिक्टेबल हो जाती है और इस कारण कई बार इसे इतना समय देना थोड़ा अखरता है। फिर भी गुरमीत चौधरी अभिनीत यह सिरीज मनोरंजन के लिहाज से एक बार तो देखी ही जा सकती है।

इस सिरीज के बनाये जाने में हर कलाकार और तकनीशियन ने कड़ी मेहनत की है। मुख्यतः छायांकन तो गज़ब का है। सैन्य पृष्ठभूमि वाली सिरीज़ में सैन्य अधिकारियों के चेहरे को कब और कितना तथा किस कोण से शूट किया जाये इसकी पर्याप्त समझ सिनेमैटोग्राफर ने दर्शाई है। भरत - सौरभ पार्श्व संगीत भी कथानक के एकदम उपयुक्त है और रोमांच को बढ़ाता है। एक्शन दृश्य भी मूल कथानक के एकदम अनुरूप है मगर कुछ सीन्स थोड़े धीमी गति से परदे पर आते है। यह दृश्य यदि और तेजी से आगे बढ़ते तो ज्यादा मजा आता।

सिरीज में अभिनय का जहाँ तक सवाल है कमाण्डर करण सक्सेना के रूप में गुरमीत चौधरी समूची सिरीज़ में छाये हुए हैं। वह ना सिर्फ प्रभावशाली लगते हैं, एक्शन सीन्स तो वे इतने डूब कर करते हैं न कि दर्शक वाह-वाह करने लगते हैं इकबाल खान ने दुर्जेय खलनायक के रूप में दिल जीतने का काम किया है। उनका गंभीर अन्दाज परदे पर समां बाँधता है। गुरमीत और मराठी एक्ट्रेस हृता के बीच की केमिस्ट्री बहुत प्यारी है, जो कहानी में रोमांटिक एंगल जोड़ती है।

यह शो अमित खान द्वारा इसी नाम (कमांडर करण सक्सेना) से लिखे गए उपन्यास के नायक से प्रेरित है। गुरमीत के पिता सैन्य अधिकारी थे, क्या उनके मन में भी कभी सेना या रॉ से जुड़ने का ख्याल आया? इस पर गुरमीत बताते है, 'मुझे तो एक्टिंग के कीड़े ने बचपन में ही काट लिया था, लेकिन दिल में हमेशा से यही था देश के लिए कुछ कर सकूं।

बड़े होने के बाद मुझे समझ में आया कि आप सिर्फ फौज में रहकर ही देश की सेवा नहीं कर सकते है। आम नागरिक भी देश की सेवा कर सकते हैं। मैं आम नागरिक के तौर पर ही देश की सेवा करने की कोशिश करता हूँ । यही भाव मैंने इस सिरीज़ में भी व्यक्त किये हैं।

किसान और गरीबों के कलाकार फ्रांस्वा मिले

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

कला, साहित्य इंसान को संवेदनशील बनाती है, सुख हो या दुख गहराई तक समझने हेतु प्रेरित करती है बीते हुए कल से ही कृतियों को कल मिलता है और हमेशा- हमेशा के लिए दर्शक उसके दर्शन से विह्वल होता रहता है। कलाकार मिले जो जमीन से जुड़ा हुआ इंसान था। परिवार में बड़ा बेटा होने की वजह से घर की सारी जिम्मेदारी से भलीभांति परिचित था, को भी जमीन की पुकार सुनाई देती थी और वो उसी जमीन को जमीन पर ही रह कर महसूस करना चाहते थे मिले। ग्रामीण परिवेश से लगाव का ही असर कहें या और कुछ जिसके लिए पेरिस जैसी जगह को तवज्जो ना देकर बार्बिजां जैसे ग्रामीण परिवेश में रहना उन्होंने स्वीकार किया। मिले किसानी के सभी गुणों से परिचित थे। निराई, गुड़ाई, जमीन की तैयारी सब कुछ उन्हें बखूबी मालूम था और आगे चलकर उनके कृतियों में भी आया।

मिले का बचपन कष्टों वाला था जहां बचपन में ही बड़ों सा बोझा लेकर चलना होता था, खेतों में घंटों-घंटों प्रकृति के सान्निध्य में रहते हुए खटना उनकी दिनचर्या हो गई थी। मन के किसी कोने में कलाकार भी बैठा हुआ था जो रह-रह कर मिले को परेशान कर रहा था और जल्द ही उसके बचपन के चित्रों को देखकर गांव वालों ने चंदा इकट्ठा कर उसे कला अध्ययन हेतु पेरिस भेज दिया जहां अध्ययन करने के साथ ही फुर्सत के समय लुब्र संग्रहालय जाकर मुख्य कलाकृतियों से अध्ययन दैनिक दिनचर्या में शामिल हो चुका था। मिले लोगों के व्यक्ति चित्र एवं धार्मिक चित्र बना कर अपने खर्च भी वहन कर रहे थे हालांकि ऐसे चित्र बनाना उन्हें पसंद नहीं था बल्कि पेरिस में रहना और वहां के कलाकृतियों का अध्ययन करना भी उन्हें पसंद नहीं था उन्हें तो बार्बिजां बुला रहा था? जहां जाकर ही उन्होंने अनमोल कृतियों का सृजन किया हालांकि शुरू में कई दफा कृतियां सैलून में अस्वीकृत हुई।

बार्बिजां जहां कलाकारों का जमावड़ा तो बड़े ही रहस्यमई और रोचक तरीके से हुआ पर आगे चलकर उसका अपना नाम और स्थान बन सका। काल्पनिक, हसीन, मनमोहक दुनिया को देखने, आनंदित होने वाले सैलून के अधिकारियों और कला समीक्षकों को मिट्टी में सने, पसीने से तर-बतर, कष्टों में जी रहे किसानों को गैलरियों में देखना पसंद नहीं था पर मिले निराश नहीं हुए और निरंतर अपने साधना में रमे रहे। कृतियों में नए-नए तरीके से खोज करते रहे और उसी निरंतरता का प्रतिफल कहें या कुछ और पर आगे चलकर उनकी कृतियां वहां प्रदर्शित हुईं। वॉन गॉग के कृतियों की पीड़ा की शुरुआत मिले के कृतियों से ही हो गई थी।

'द ग्लीनर्स', कैनवास पर तैल, चित्र में मिले द्वारा किसानों, विशेष कर गरीब किसानों के व्यथा को दर्शाने का प्रयास हुआ है, खेतों से अनाज घर तक पहुंच जाने के बाद भी कुछ दाने जो पहले से ही खेत में झड़े रहते हैं उसे डंठल सहित बीनते हुए तीन महिलाएं प्रदर्शित हैं बार्बिजां का ग्रामीण दृश्य, यथार्थ परक अंकन, किसानी परिधान बड़ा ही सुन्दर दृश्य उकेरा गया है मिले द्वारा। महिलाओं द्वारा इकट्ठे किए गए अनाज पर गौर करने वाली बात है कि यदि ये खुद के खेत में बचे हुए अनाज ढूंढ़ रही हैं तो झुके हुए बूढ़े शरीर का दर्द महसूस किया जा सकता है, अगर दूसरे के खेत में दूसरा कोई बीन रहा है तो गरीबी क्या होती है महसूस किया जा सकता है। दोपहर के समय भी इस तरह की मेहनत सदियों से चले आ रहे दोहराव, जीवन जीने हेतु लगातार गरीब मनुष्य के दर्द को बखूबी बयां करता है। किसान का संघर्ष, आराम को त्याग कर अपने शरीर को कितने कष्टों के साथ लेकर आगे बढ़ता है एक किसान इस कृति में बखूबी दर्ज है। पृष्ठभूमि में कहर बरपाती धूप को भी आभास किया जा सकता है।

कृति 'आलू की फसल' में भी मौसम का वही विरोधी रूप है और जल्द जल्द फसल को घर तक पहुंचा लेने का किसान का जद्दोजहद। कार्य में तल्लीन किसानों को देखकर कलाकार के संवेदनशीलता को बखूबी समझा जा सकता है। यह कृति काफी हद तक वॉन गॉग को भी प्रभावित करती सी जान पड़ी है। कृति में काम के प्रति तल्लीनता के साथ ही कार्य को जितनी जल्दी हो सके समेट लेने का भी जज्बा दर्शित है यानी मौसम का रुख अपने आप स्पष्ट हो गया है यानी मौसम भी साफतौर से दिखाई पड़ जाती है कलाकार मिले के कृतियों में।

'कुदाली वाला आदमी' कृति में थका-हारा किसान निरंतरता न टूटे और आराम भी मिल जाए फलतः सुस्ताने हेतु कुदाल का ही सहारा लिए हांफते हुए खड़ा है चेहरे पर का दर्द, आंखों में बेवसी, शरीर की मांसपेशियां, वस्त्र के बेतरतीब बिखरने का उपक्रम, पूरी कृति पर बिताए गए समय और बनाने हेतु उस दर्द के धरातल तक के सफर को दर्शाता है। पीछे दूसरे किसान द्वारा घास जलाना भी दिख रहा है, आगे कांटे वाले पौधे हैं जिसे खोदते हुए किसान को आगे बढ़ना है जीवन का गूढ़ भी यहीं है कि कांटों का पथ ही क्यूं न हो जीने हेतु उस पर चलना ही होगा। इसी चित्र से प्रभावित हो अमेरिकन कवि एडविन मार्खम ने एक कविता लिखी जो उस समय खूब प्रभावी हुई पूरे अमेरिका भर में। 1867 के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में मिले के चित्रों की खूब प्रशंसा हुई जिसके परिणामस्वरूप फ्रेंच संग्राहकों द्वारा उनके चित्र रखने के प्रयत्न हुए पर तब तक पहले के कई विशेष चित्र अमेरिकन संग्राहकों के पास चले गये थे।

4 अक्टूबर 1814 को शेरबुर, फ्रांस के किसान परिवार में जन्मे कलाकार ज्या फ्रांस्वा मिले की शुरू के कृतियों को हल्के में लेने की वजह से कई प्रमुख चित्र फ्रेंच संग्रह में नहीं है। मिले शुद्ध परिवेश के साथ ही प्रमुखता से मानव आकृतियां बनाते थे जो बार्बिजां के बाकी कलाकारों से उनको अलग करता है। पेस्टल से बनी कृतियां भी ध्यान आकर्षित करती है। उनके प्रमुख चित्र द ऐंजेलस, द सॉवर, हार्वेस्टर रेस्टिंग, स्प्रिंग ऐट बार्बिजां आदि हैं। 1875 में कलाकार मिले सदा के लिए देह त्याग चले।

गुरु व गुरु पादुका के पूजन का दिन

गुरु पूर्णिमा विशेष

अमित राव पवार

गुरु की योग्यता पर निर्भर करता है,कि वर्तमान दौर में अपने शिष्य को इस भवसागर रुपी संसार से कैसे पार लगा सकते है। क्योंकि हर एक युग में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया।अनेकों उदा. है,जब हर एक परिस्थिति के लिए गुरु अपने शिष्य को तैयार करता दिखाई देता। इसमे एक उदा. आचार्य चाणक्य ओर शिष्य चंद्रगुप्त मौर्य को हम देख सकते है। सही राह ओर ईश्वर प्राप्ति के लिए गुरु का होना जीवन में अति आवश्यक है, मनुष्य अवतार में ईश्वर ने भी अपने जीवन मे गुरु बनाये।

कहा जाता है 'हरि रूठे गुरु ठौर है,गुरु रूठे नहीं ठौर,'अर्थात् हरि के रूठने पर तो गुरु की शरण में जाया जा सकता है,किंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण नहीं मिल पाती। गुरु पूर्णिमा का पर्व आषाढ़ी माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।(जून-जुलाई माह)। यह पर्व अपने गुरु के प्रति श्रद्धा-भक्ति,विश्वास,समर्पण,कृतज्ञता,ईमानदारी एवं गुरु व गुरु की पादुका के पूजन का दिन है। इसी दिन महाभारत के रचयिता वेद व्यास जी का जन्मदिन भी है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। शिष्य को यह समझना आवश्यक है कि एक बार जिसे गुरु मान लिया फिर कभी भी गुरु का हाथ व साथ न छोड़े,चाहे केसी भी स्थिति फिर जीवन मे निर्मित हो।जिसे हम अपना गुरु बना रहे है,इसके पूर्व अनेकोबार विचार अवश्य करना चाहिए,कि हम जिसे अपना गुरु बना रहे है,वे हमारे जीवन की जिज्ञासा या मन को शांत कर पा रहे है क्या? क्योंकि जीवन मे गुरु एक ही बार बनाये जाते है।आजकल बाजार में चलन हो गया है,कि अपना गुरु काम नहीं कर रहा तो अगले दिन अगला गुरु,वो काम या समस्या का निदान नहीं कर रहा,तो तीसरे दिन तीसरा गुरु।आप (शिष्य)जब तक संतुष्ट न हो अपने(जिसे गुरु बनाना) से तब तक आप गुरु स्वीकार न करें। इसी तात्पर्य में स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद ने एक दूसरे को परखा। दोनो एक-दुसरे से संतुष्ट हुए तब दोनों ने गुरु-शिष्य के रुप में एक दूसरे को स्वीकार किया। विवेकानंद ने परमहंस जी को गुरु बनाने के पहले जो प्रश्न किये वह आज भी हर एक शिष्य के मन में अपने गुरु के लिए समाहित होंगे स्वामी विवेकानंद एवं रामकृष्ण परमहंस के संवाद अथवा जिज्ञासा पर नजर डालते हैं।गुरु और शिष्य के बीच हुई दिलचस्प वार्तालाप और समाधान।

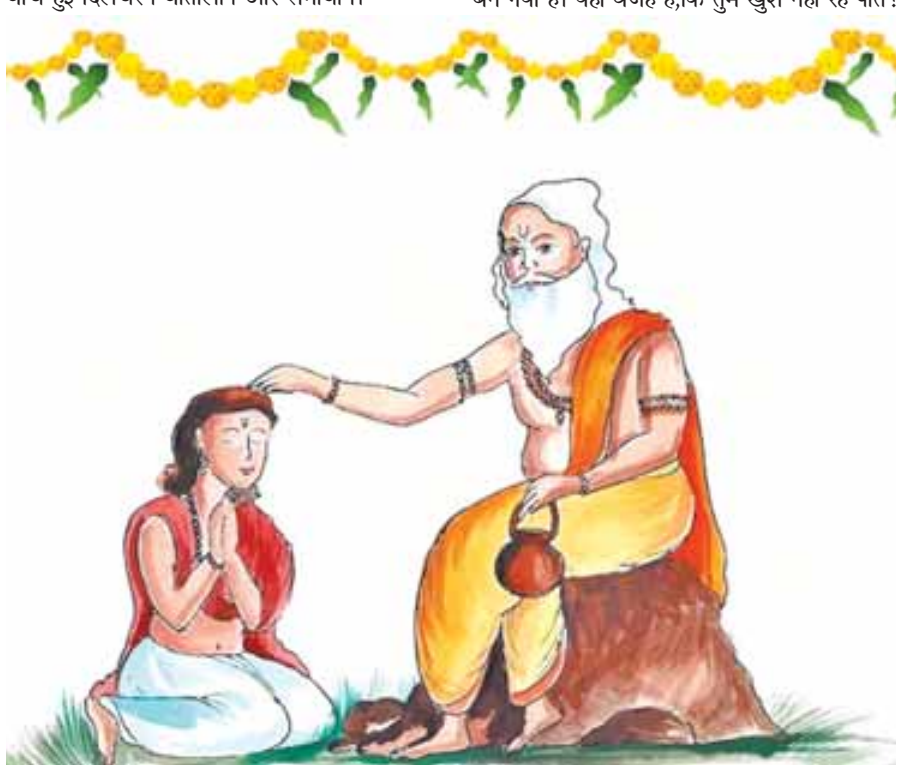

*स्वामी विवेकानंद- लोगों की कौन सी बात आपको अचंभा कर देती है ?

*रामकृष्ण परमहंस- जब भी मनुष्य कष्ट-भय या दुख में होता है,तब ही पूछता है,

मैं ही क्यों?- जब उन्हें अपार खुशिया मिलती हैं तब कभी नहीं सोचते,मैं ही क्यों ?

*स्वामी विवेकानंद - आज जीवन इतना जटिल क्यों हो गया है?

*रामकृष्ण परमहंस- जीवन का विश्लेषण करना इसे कठिन बना देता है,इसलिए इसे बंद कर दो और जीवन को सिर्फ जिओ।

*स्वामी विवेकानंद- फिर हम हमेशा दुखी क्यों रहते हैं ?

*रामकृष्ण परमहंस-दुःखी रहना तुम्हारी आदत बन गयी है। यही वजह है,कि तुम खुश नहीं रह पाते!

*स्वामी विवेकानंद- अच्छे लोग हमेशा कष्ट क्यों पाते हैं?

*रामकृष्ण परमहंस- हीरा रगड़े जाने पर ही चमकता है। सोने को शुद्ध होने के लिए आग में तपना पड़ता है। अच्छे लोग कष्ट नहीं पाते बल्कि उन्हें परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है।इस तरह के अनुभव से उनका जीवन अच्छा- होता है,यह परीक्षा व्यर्थ नहीं जाती।

*स्वामी विवेकानंद- आपका मतलब है कि ऐसे अनुभवों से लाभ होता है?

*रामकृष्ण परमहंस- हां,हर प्रकार से अनुभव एक कठोर शिक्षक की तरह होता है। पहले वह परीक्षा लेता है और फिर सीख देता है।

*स्वामी विवेकानंद- समस्याओं से घिरे रहने के कारण,हम जान ही नहीं पाते कि किधर जा रहे हैं।

*रामकृष्ण परमहंस- अगर तुम अपने बाहर झांकोगे तो जान नहीं पाओगे कि कहां जा रहे हो। अपने भीतर झांको,आखें दृष्टि देती हैं, हृदय मार्ग दिखाता है।

*स्वामी विवेकानंद- क्या असफलता सही राह पर चलने से ज्यादा कष्ट देती है?

*रामकृष्ण परमहंस- सफलता का मापदंड दूसरे लोग तय करते हैं। जबकि संतुष्टि का मापदंड तुम खुद तय करते हो।

*स्वामी विवेकानंद- कठिन समय में कोई अपना उत्साह कैसे बनाए रख सकता है?

*रामकृष्ण परमहंस- हमेशा इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि तुम अब तक कितना चल पाए, बजाय इसके कि अभी और कितना चलना बाकी है। जो प्राप्त न हो सका उसे नहीं, बल्कि जो पाया है उसे हमेशा गिनो।

*स्वामी विवेकानंद- मैं अपने जीवन से सर्वोत्तम कैसे हासिल कर सकता हूं?

*रामकृष्ण परमहंस- बिना किसी पछतावे के अपने अतीत का सामना करना चाहिए। पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी मौजूदा ज़िंदगी को संभालना चाहिए और बिना किसी डर के अपने भविष्य की तैयारी करनी चाहिए।

*स्वामी विवेकानंद- अनेक बार मुझे लगता है कि मेरी प्रार्थनाएं व्यर्थ जा रही हैं।

*रामकृष्ण परमहंस-कोई भी प्रार्थना व्यर्थ नहीं जाती। अपनी आस्था बनाए रखो और भय को दूर रखो। जीवन कोई समस्या नहीं जिसे तुम्हें सुलझाना है, बल्कि एक रहस्य है,जिसे तुम्हें खोजना है। मेरा विश्वास करो- अगर तुम यह जान जाओ कि जीना कैसे है, तो जीवन सचमुच बेहद आश्चर्यजनक है। अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने कहा-मैं जो कुछ भी हूँ,दुनिया जो भी एक दिन होगी,वह सब मेरे गुरु श्री रामकृष्ण की देन है।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

नलिन खोईवाल, इंदौर

शब्द की तलवार गुरुजी

है बहुत उपकार गुरुजी ,आपका आभार गुरुजी ।
स्नेह आशीष से चलते,साल दिवस वार गुरुजी ।।

ज्ञान का भंडार गुरुजी,शिष्य का संसार गुरुजी।
देते मिट्टी के घड़ों को,एक नव आकार गुरुजी ।।

जीने का आधार गुरुजी,है सपन साकार गुरुजी।
है समूची पाठशाला और है संस्कार गुरुजी ।।

एक है सुविचार गुरुजी,सब करें सत्कार गुरुजी।
तीर के तरकश में लाए,शब्द की तलवार गुरुजी।।

हैं वेदों का सार गुरुजी,करते नैया पार गुरुजी।
यूँ लगे जैसे धरा पर ,संत का अवतार गुरुजी।।

2.

सच के पहरेदार है गुरुजी

खूब किया उपकार है गुरु जी। माने हम आभार है गुरु जी ।।
ज्ञान का इक भंडार है गुरु जी ।शिष्यों का संसार है गुरु जी ।।

गुजरे सब शुभ आशीषों से।साल महीना वार है गुरु जी ।।
मिट्टी को देते मटके का । एक नया आकार है गुरु जी ।।

आईना दिखलाते सब को।सच के पहरेदार है गुरु जी ।।
धरती पर लगता है जैसे ।ईश्वर का अवतार है गुरु जी ।।

करते हैं शिष्यों के सारे । सपनों को साकार है गुरु जी ।।
तरकश में रखते है तीखे ।शब्दों की तलवार है गुरु जी ।।

अनुशासन का पाठ पढ़ाते।सिखलाते संस्कार है गुरु जी ।।
फँसती है जब मझधारों में। करते नैया पार है गुरु जी ।।

सेवा-समर्पण का पर्व है गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा विशेष

योगेश कुमार गोयल

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्राचीन काल से ही गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा करने का चलन है , जो इस वर्ष 21 जुलाई को मनाई जा रही है। दरअसल प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा का संबंध महाभारत के रचयिता महर्षि श्रीकृष्ण द्वैपायन से जुड़ा है, जिनका जन्म इसी दिन हुआ माना जाता है। संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान महर्षि द्वैपायन ने ही सनातन धर्म के चारों वेदों की रचना की थी, इसीलिए उन्हें महर्षि वेद व्यास के नाम से जाना गया। वैसे तो गुरु पूर्णिमा का पर्व शास्त्रों में गुरुओं को समर्पित है लेकिन सही मायनों में यह आदिगुरु वेद व्यास के सम्मान में ही मनाया जाता है और इसीलिए इसे 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। महर्षि वेद व्यास ने एक लाख श्लोक वाला महाभारत, 18 पुराण और ब्रह्मा-सूत्र की रचना के साथ एक वेद को चार वेदों में विस्तारित कर समस्त संसार को ज्ञान से प्रकाशित किया था, इसीलिए उन्हें आदि-गुरु का दर्जा प्राप्त है। हिन्दू धर्म में तो गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है और गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा भी गया है कि गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही शंकर है, गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है, ऐसे सद्गुरु को प्रणाम।

गुरु को 'गुरु' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित करता है। ज्ञान की रोशनी सभी प्रकार के अंधकार को मिटा देती है, इसीलिए जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। 'गुरु' में 'गु' शब्द का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है उसे मिटाने वाला और इस प्रकार गुरु का अर्थ हुआ अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाने वाला। गुरु ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश के उजाले से हमारी अंतरात्मा और मन को प्रकाशित कर सकता है। एक अच्छा गुरु जीवन में रोशनी लाने का कार्य करता है, जिससे जीवन प्रकाशमान हो जाता है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है, ताकि वह अपने भीतर सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। शास्त्रों में अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश है, वही गुरु है

अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को ही 'गुरु' कहा जाता है। गुरु की महिमा का बखान करते हुए संत कबीरदास कहते हैं–

भली भई जो गुरु मिल्या, नहीं तर होती हाणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जाणि।

कबीरदास के इस दोहे का अर्थ है कि अच्छा हुआ जो गुरु मिल गए, अन्यथा तो मेरी हानि ही होती। जैसे दीपक की अग्नि की ओर पतंगे आकृष्ट हो जाते हैं, वैसे ही मैं भी विषय वासनाओं और माया की और आकृष्ट हो जाता और परिणामस्वरूप अमूल्य जीवन को नष्ट कर देता। मनुस्मृति के अनुसार ऐसे व्यक्ति को ही गुरु बनाना चाहिए, जो क्षमा, दया, तपस्या, पवित्रता, यम, नियम, दान, सत्य, विद्या, संतोष इत्यादि दस गुणों से सम्पन्न हो। गुरु की कृपा से ही विद्यार्थियों को विद्या की प्राप्ति होती है और उनके अंदर का अज्ञान तथा अंधकार दूर होता है। गुरु कृपा से ही विश्व के समस्त सुखों, ऐश्वर्य और स्वर्ग की सम्पदा प्राप्त हो सकती है, जो बड़े-बड़े योगियों को भी नसीब नहीं होती। गुरु तथा देवता में समानता के बारे में कहा गया है कि देवताओं के लिए जैसी भक्ति की आवश्यकता है, वैसी ही गुरु के लिए भी है। अच्छे गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है लेकिन गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं। वैसे तो गुरु को सभी धर्मों में विशेष महत्व दिया जाता रहा है लेकिन एक अच्छे गुरु का स्थान हिन्दू धर्म में भगवान से भी बढ़कर है।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागु पांव,
बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए।

शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करना कठिन है और अगर शिष्य को अपने गुरु पर पूर्ण विश्वास हो तो उसका बुरा स्वयं गुरु भी नहीं कर सकते। गुरु पूर्णिमा को बौद्ध धर्म के अनुयायी गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश के सम्मान में मनाते हैं। सिख धर्म में केवल एक ईश्वर और अपने सभी दसों गुरुओं की वाणी को ही जीवन के वास्तविक सत्य के रूप में मानते है। जैन धर्म के अनुसार इस दिन को चौमासा अर्थात चार महीने के बारिश के मौसम की शुरुआत के रूप में तथा त्रीनोक गुहा पूर्णिमा के रूप में माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व वास्तव में मानव जीवन में गुरु के विशिष्ट स्थान को दर्शाता है। एक दोहे में गुरु की महिमा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा गया है-

गुरु को पारस जानिए, करे लौह को स्वर्ण।
शिष्य और गुरु जगत में, केवल दो ही वर्ण।

अवैध पिस्टल की तस्करी करते चार आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों से तीन देसी कट्टे, एक देशी पिस्तौल सहित 190,500 का सामान जप्त

संजय द्विवेदी, बैतूल। थाना गंज बैतूल की पुलिस ने एक कुख्यात जिला बदर के आरोपी व तीन अन्य को अवैध पिस्टल तस्करी करते हुए शुकवार देर रात को पकडा । आरोपियो से 3 देशी कटटा एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस व पलसर मोटर सायकल, इस प्रकार कुल 1,90,500 रूपये का सामान जप्त किया है द्य

आज शनिवार की शाम पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसपी निश्चल झरिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि चार लडके रैन बसेरा चौक बैतूलगंज के पास यात्री प्रतीक्षालय में पिस्टल बेचने के फिराक में बैठे हुये है । सूचना तस्दीक पर हमराह स्टाफ एवं साक्षीगणो को मुखबिर सूचना से अवगत कराकर मुखबिर के बताये स्थान पर पंहुचकर देखा कि रैन बसेरा चौक के पास यात्री प्रतिक्षालय में चार लडके पीठ में पिटदु बैग टांगे यात्री प्रतिक्षालय में बैठे मिले। जिन्हें घेराबंदी कर पकडा गया, तो उन्होंने नाम पता पुछने पर अपना नाम 1- राहुल पिता दीपक रैकवार, 24 साल, निवासी मराठी मोहल्ला बैतूल, 2- दीपेन्द्र उर्फ सरकार पिता संतोष हरोडे 22 साल डिपो गेट के पास हमलापुर,

3- आशीष पिता गुड्डु यादव, 19 साल, निवासी डिपो गेट के पास हमलापुर एवं भावेश पिता पंजाबराव धोटे, 20 साल, निवासी डिपो गेट के पास हमलापुर का होना बताया। जिनके पास मिले बैग की तलाशी लेंने पर उनके बैग से देशी कटटे, पिस्टल मिले । जिनसे देशी कटटे-पिस्टल रखने के संबध में लायसेंस का पुछने पर जिन्होने लायसेंस होना नहीं बताया । आरोपी दीपेन्द्र हरोडे के कब्जे से एक देशी कटटे के साथ, एक जिंदा कारतूस

मिला । आरोपी राहुल रैकवार के कब्जे से एक देशी पिस्टल मिली, आरोपी आशीष यादव के कब्जें से एक देशी कटटा मिला। आरोपी भावेश धोटे के कब्जे से एक देशी कटटा तथा एक पल्सर मोटरसायकल मिली। इस प्रकार चारो आरोपीगणों से कुल 3 देशी कटटा, 1 पिस्टल, 1 जिंदा कारतूस, एक पल्सर मोटरसायकल कुल कीमती 1,90,500 रूपये का विधिवत जप्त किया गया। आरोपी दीपेन्द्र हारोडे जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय बैतूल द्वारा दिनांक 05-12-23 को 1 वर्ष की अवधि तक जिले की सीमा से बाहर रहने हेतु आदेशित किया गया था । जो आरोपी दीपेन्द्र उर्फ सरकार पिता संतोष हरोडे द्वारा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय बैतूल के जिला बदर आदेश का उल्लघंन करने पर मप्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

चारो आरोपीगणो से देशी कटटे- पिस्टल के संबधं में पुछताछ करने पर बताया गया कि आज से करीब 10-15 दिन पहले अज्जु रावण ने उन्हे कटटे बेचने के लिये दिये थे जो आरोपीगणो द्वारा संयुक्त रूप से संगठित होकर गिरोह बना अवैध हथियारो की तस्करी कर संगठित अपराध घटित किया है। जिससे प्रकरण में धारा 111 बीएनएस 2023 का इजाफा किया गया हैद्य आरोपीगणो के विरूध्द थाना गंज में अपराध क. 271/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट, 111 बीएनएस 2023 पंजीबध्द कर गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया है।

राजधानी बस का निरस्त किया फिटनेस

आरटीओ ने की कार्यवाही, मालिक को दिया नोटिस

बैतूल। यात्री बस में सुविधाओं की कमी और कंडम बस चलाने वाले बस मालिक के खिलाफ जिला परिवहन अधिकारी ने कार्यवाही की है। बैतूल से बोरदेही चलने वाली बस का फिटनेस निरस्त कर दिया गया है। असुविधा और असुरक्षित परिवहन को लेकर बस मालिक को नोटिस दिया गया है और तीन दिन में संतोषप्रद जवाब ना मिलने पर परमिट निरस्त करने की भी चेतावनी दी गई है।

जिला परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि बस क्रमांक एमपी 48 पी 0246 राजधानी बस बैतूल से बोरदेही चलती है। इस बस में यात्रियों को छत से पानी टपकते हुए परिवहन करना पड़ रहा था। शिकायत मिलने पर उसकी पुष्टि की गई और शिकायत सही पाएं जाने पर परिवहनं विभाग ने तत्काल बस का फिटनेस निरस्त कर दिया।

इसके अलावा बस मालिक सुरेंद्र दवंडे निवासी आमला को नोटिस भी दिया गया है। नोटिस में बताया गया है कि असुविधा एवं असुरक्षित परिवहन के कारण उनका क्यों ना परमिट निरस्त कर दिया जाए ? नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर संतोषप्रद जवाब प्राप्त ना होने पर एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए परमिट निरस्त किया जाएगा।

श्री शुक्ला ने बताया कि यात्री बसों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग को अगर इस तरह की कोई भी शिकायत मिलेगी तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बस मालिकों को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि उनकी बस में यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। इसके अलावा परिवहन सुरक्षित रूप से कराया जाए।

बैक ऑफ इंडिया के द्वारा किसान दिवस के अवसर पर स्व सहायता समूहों को ऋण वितरण

धार। बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा किसान दिवस का राज्य स्तरीय कार्यकम का आयोजन अभय प्रशाल इंदौर में किया गया। जिसमें बैंक ऑफ इंडिया के मुम्बई से एमडी एंड सीईओ रजनीश कर्नाटक, म.प्र. भोपाल के बैंक ऑफ इंडिया के एफजीएमओ प्रमोद कुमार द्विवेदी, चार झोन से झोनल अधिकारी, म.प्र. ग्रामीण बैंक के रिजनल अधिकारी एवं इदौर सोयाबीन रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिक एवं धार जिले से संजय सोनी, जिला अग्रणी प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, प्रवीण सोलंकी, जिला प्रबंधक, सूक्ष्म वित, म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से उपस्थित रहे। जिसमे बैंक ऑफ इंडिया के अंतर्गत धार जिले के 78 स्व सहायत समूह सदस्यों को राशि रु. 212.50 लाख के केश क्रेडिट लिंकेज के तहत बैंक ऋण वितरण/स्वीकत स्वीकृत किये गये।

धार शक्ति पीठ पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विजेताओं को दिया जाएगा पुरस्कार

धार। धार गायत्री शक्तिपीठ (महेश नगर जिले के पीछे) 21जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रृद्धा, भक्ति और हर्षउल्लास के साथ मनाया जायेगा। बड़ी संख्या में गुरु भक्तों को गुरू दीक्षा भी दिलाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर प्रातः 7 से 9 बजे तक सामूहिक साधना होगी । प्रातः 9 बजे से संस्कार और पंच कुंडीय हवन का क्रम प्रारंभ होंगा इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा भी दिलवाई जाएगी। गुरुपूजन और यज्ञ पूर्णाहूति के पश्चात दोपहर 12 बजे से भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। दोपहर 2 बजे से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2023 में जिला स्तर पर प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय रहें विद्यार्थियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान की जाएगी।

धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने सभी गुरू भक्त, गायत्री परिजनो से धार गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित इस उत्सव में भाग लेने का आव्हान किया है।

सतपुड़ा एकेडमी में गुरु पूर्णिमा पर विद्यार्थियों ने गुरुजनों का सम्मान कर लिया आशीर्वाद, मंगल तिलक कर पुष्पगुच्छ किए भेंट

देवास। मक्सी रोड पर तुलजा विहार कॉलोनी में स्थित सतपुड़ा एकेडमी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में वैभव विहार शिक्षा समिति अध्यक्ष श्री रायसिंह सेंधव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मां सरस्वती, भारत माता एवं गुरुजी के चित्र का पूजन-अर्चन कर दीप प्रज्ज्वलित किया। विद्यार्थियों ने श्री सेंधव, संचालक भानूप्रतापसिंह सेंधव, प्राचार्य वी.एस. जॉब का मंगल तिलक कर स्वागत, सम्मान किया। गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर कक्षा पहली के बच्चों ने गुरु की महिमा बताते हुए गुरु धौम्य एवं उनके आज्ञाकारी शिष्य आरुणि के प्रसंग को नाट्?य के रूप में प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से यह बताया गया कि गुरु हमें अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। विद्यार्थियों ने गुरु द्रोणाचार्य एवं पांडवों के प्रसंग पर भी शानदार प्रस्तुति दी। वहीं गुरु द्रोणाचार्य एवं अर्जुन और एकलव्य के प्रसंग का भी वर्णन किया। बच्चों ने गुरु शिष्य परंपराओं पर आधारित नाट्य की शानदार प्रस्तुति देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा को दर्शाया। सतपुड़ा एकेडमी द्वारा संचालित वंडर किड्स भवन में भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। यहां नन्हें बच्चों ने गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। भक्तिमय गीतों का गान कर गुरु शिष्य परंपरा पर गीत, कविता, भाषण की प्रस्तुतियां दी। नन्हें बच्चों ने अपने गुरुजनों को मंगल तिलक कर पुष्प भेंट किए एवं आशीर्वाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सेंधव ने गुरु-शिष्य परंपरा पर अपना मार्गदर्शन देते हुए कहा कि हमारे जीवन में गुरु का होना अति आवश्यक है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

मंदिर से चोरी हुई बजरंगबली की प्रतिमा

ग्रामीणों ने कहा यह सनातनी विरोधियों की करतूत

बैतूल। मंदिरों में दान पेटी और भगवान के आभूषण चुराने की खबरे आपने सुनी होगी, पर एक मंदिर से भगवान की मूर्ति चुराने का मामला सामने आया है। मंदिर से बजरंगबली की मूर्ति चोरी होने के बाद श्रद्धालुओ में आक्रोश है। परतवाडा मार्ग

पर स्थित चमत्कारी हनुमान मंदिर जो की क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है। इस मंदिर में अराजक तत्वों द्वारा हमेशा उपद्रव कर मंदिर को नुकसान पहुंचाया जाता रहा है। इसके पूर्व भी अज्ञात लोगो ने पत्थर की प्रतिमा को तोड़ दिया था, जिसका हिंदू संगठनों ने विरोध किया था और फिर मंदिर में 11 किलो पीतल से बनी हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित की गई थी लेकिन तीन माह बाद पुनः इस मंदिर से उपद्रवियो ने मंदिर की प्रतिमा को चुराकर ली। मंदिर से प्रतिमा चोरी होने से श्रद्धालुओं में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से कार्यवाही की मांग की है। हिंदू संगठन से जुड़े लोगो का कहना है कि यह सनातन विरोधी लोगो की करतूत हो सकती है, फिलहाल प्रतिमा को आसपास खोजा जा रहा है।

पुलिस ने तीन मंदिरों में हुई चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, नाबालिग सहित दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल जिले में लगातार हो रही चोरियो के मद्देनजर यहां के युवा पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अज्ञात चोरों का जल्द से जल्द पता लगाने के दो-टूक कड़े निर्देश देकर विभिन्न थानों की टीम भी चोरों का पता लगाने गठित की थी। जिसके फलस्वरुप कुछ चोरियों को पकडने में पिछले दिनों पुलिस को सफलता भी मिली है। इसी तारतम्य में जिले के अलग-अलग थाना थाना क्षेत्र के तीन मंदिरों में हुई चोरी का पुलिस ने आज खुलासा किया है। चोरी की घटना

को अंजाम देने वाले एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए बताया कि थाना गंज पुलिस ने बैतुल जिले के गंज,कोतवाली एवं मुलताई क्षेत्र के मंदिरो में चोरी करने वाले आरोपीयों को किया गिरफ्तार है। 9 जुलाई को फरियादी पंडित दिलीप पिता जानीलाल शर्मा 51 साल निवासी झूलेलाल मंदिर गंज बैतूल ने थाना उपस्थित आकर रिर्पोट किया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा झूलेलाल मंदिर मे रखे सोने-चांदी के ज्वेरात एवं दान पेटी से नगदी रूपये चोरी कर ले गये है। थाना कोतवाली में फरियादी नितिन आहुजा निवासी सदर कोतवाली ने रिर्पोट किया कि जिला चिकित्सालय बैतूल कम्पाउंड में स्थित पंचमुखी हनुमान में मंदिर में 15 मई कि रात्रि अज्ञात चोर द्वारा मंदिर मे रखी दान पेटी से नगदी रूपये चोरी कर ले गए है। थाना मुलताई में फरियादी द्वारका प्रसाद अग्रवाल निवासी शास्त्री वार्ड मुलताई ने रिर्पोट किया कि 25 मई कि रात्रि में रामदेव बाबा मंदिर भगतसिंह वार्ड मुलताई में अज्ञात चोर द्वारा मंदिर कि दान पेटी तोडकर दानपेटी से नगदी रूपये चोरी कर लिये है।

बैतूल जिले में लगातार हो रही चोरियो के मद्देनजर एवं मंदिरो की दान पेटी चोरी के संबधं में पुलिस अधीक्षक के द्वारा अज्ञात चोरो कि पतारसी हेतु तीनो थानो कि टीम गठित कि गई। उक्त टीम के द्वारा लगातार प्रयास करते हुए सफलता प्राप्त किये है। पुलिस ने संदेही दल्ला पिता लक्ष्मण ओझा उम्र 43 साल निवासी ओझाढाना और एक नाबालिग बालक को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपियों के पास से तीनो मंदिरो कि चोरी का मषरूका एक सोने का मंगल सूत्र, एक सोने कि अंगुठी, एक चांदी का नंदी कि मूर्ति, दो चांदी के तार, चांदी कि तीन पायल,चांदी कि बेलपत्ती तथा कुल नगदी 18000 रुपये विधिवत जप्त किये गये है। आरोपीयो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे निरी.रविकान्त डेहरिया, उनि नितिन उइके, सउनि किषोरीलाल सल्लाम, सउनि श्रीराम मंडावी प्रआर संदीप, आर नितिन, आर षिव, आर नवनीत, आर अनिरूध्द एवं आर नरेन्द्र की विशेष भूमिका रही है।

सहारा इंडिया निवेशकों के करोड़ों रुपये अटके, हजारों कार्यकर्ता बेरोजगारी की कगार पर

सहारा इंडिया परिवार ने केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग की

बैतूल। सहारा इंडिया परिवार के लाखों निवेशक और कार्यकर्ता आज असमंजस और पीड़ा के दौर से गुजर रहे हैं। करोड़ों निवेशकों की रकम अभी भी फंसी हुई है, और हजारों कार्यकर्ता बेरोजगारी की कगार पर हैं। इस गंभीर स्थिति को लेकर सहारा इंडिया परिवार ने शनिवार 20 जुलाई को एक याचना पत्र बैतूल के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके को सौंपा है, जिसमें उन्होंने तुरंत कार्यवाही की मांग की है। सहारा इंडिया परिवार के निवेशकों की समस्याएँ तब शुरू हुईं जब सहारा समूह की सहकारी समितियों से जुड़े करोड़ों निवेशकों की जमाराशि के भुगतान हेतु सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। 29 मार्च 2023 को सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि सहारा समूह की सहकारी समितियों के प्रमाणित निवेशकों की वैध धनराशि के वितरण हेतु श्केन्द्रीय पंजीयक सहारा रिफंड पोर्टलश् का निर्माण किया जाए।

अमित शाह ने किया था वादा- गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 18 जुलाई 2023 को इस पोर्टल का शुभारंभ किया था और कहा था कि पोर्टल पर पंजीकरण के उपरांत 45 दिनों के भीतर 10 हजार रुपये प्रत्येक जमाकर्ता के खातों में पहुँच जाएंगे। लेकिन एक वर्ष पूरा होने को है और बैतूल जिले के लाखों निवेशक अभी भी इस लाभ से वंचित हैं। कुछ प्रतिशत निवेशकों को ही 10 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है। इसके बाद शेष जमाराशि और ब्याज का भुगतान कैसे और कब तक होगा, इसके बारे में कोई दिशा निर्देश नहीं दिये जा रहे हैं।

निवेशकों की हालत बदतर, मार्च 2023 के बाद के खातों पर अनिश्चितता- वर्तमान में केवल 31 मार्च 2023 के पहले पूर्ण हुए खातों का ही पोर्टल पर पंजीकरण हो पा रहा है। जिनकी परिपक्वता तिथि मार्च 2023 के बाद और आज दिनांक तक पूर्ण हो गई है, उनके संबंध में कोई दिशा निर्देश नहीं मिलने से भ्रांतियों के कारण निवेशकों और कार्यकर्ताओं के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस याचना पत्र में सहारा इंडिया के कार्यकर्ताओं ने राज्य मंत्री से आग्रह किया है कि करोड़ों निवेशकों के भुगतान और लाखों सहारा इंडिया के कार्यकर्ताओं की बेरोजगारी की समस्या से केंद्र सरकार को अवगत कराएं। उन्होंने यह भी मांग की है कि सभी भुगतान सहकारिता विभाग की देखरेख में सहारा इंडिया के काउंटर्स से कराए जाएं, जिससे निवेशकों को सुगमता से भुगतान प्राप्त हो सके और इससे जुड़े कार्यकर्ताओं का रोजगार पुनः आरंभ हो सके। सहारा इंडिया परिवार के निवेशकों और कार्यकर्ताओं की यह मार्मिक अपील है कि उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए ताकि उन्हें उनका हक मिल सके और वे अपने जीवन को पुनः पटरी पर ला सकें।

अपर कमिश्नर श्री जादौन ने किया निरीक्षण, राजस्व महा अभियान 2.0 समीक्षा,बटाकन में प्रगति लाने के निर्देश

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। शनिवार को अपर कमिश्नर आर. पी. सिंह जादौन ने अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत, तहसीलदार अल्का एक्का,नायब तहसीलदार अंजू लोधी,पूनम सलामे आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।अपर कमिश्नर श्री जादौन ने राजस्व महा अभियान 2.0 की समीक्षा करके समग्र आधार - खसरा लिंकिंग , प्रधानमंत्री किसान सेचूरेशन ,बटांकन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। आपने अधीनस्थ अधिकारियों को कहा कि नागरिकों को परेशानी न हो इस कारण राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में किया जाना आवश्यक

है। इसी क्रम में आपने तहसील कार्यालय में नव नियुक्त प्रशिक्षणरत पटवारियों से प्रशिक्षण के दौरान सीखे राजस्व कार्यों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं राजस्व महा अभियान 2.0 के संबंध में फौती नामांतरण, बटवारा , सीमांकन, के लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए गए, अभियान के दौरान लंबित नक्शा तरमीम, ई-केवाईसी ,एनपीसीआई, में कार्यवाही के साथ साथ पीएम किसान सेचुरेशन पर कार्यवाही के निर्देश दिए ।

बच्चे अपने आने वाले कल के लिए पानी बचाएं और परिजन भी सचेत रहें - कहा कलेक्टर गुप्ता ने

देवास। शहर के सेंट मेरी कांवेंट में आज अमृत संचय अभियान टीम के साथ पहुंचे जिला कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बच्चों से सार्थक संवाद किया और कहा कि बच्चे अपने आने वाले कल के लिए पानी बचाएं साथ ही परिजनों को भी पानी का महत्व समझाएं क्योंकि आज के बच्चे हम सबसे ज्यादा समझदार हैं । श्री गुप्ता ने पर्यावरण की अनदेखी के रूप में दिल्ली, बैगलुरू के उदाहरण देते हुए कहा कि दिनों दिन बिगड़ते पर्यावरण और कम होते जलस्तर के लिए हम सबकी प्राथमिकता पर वृक्षारोपण तथा जल संचय होना चाहिए । श्री गुप्ता ने शहर में बीते दो माहों से अमृत संचय अभियान के तहत वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने और इस बार शहर में 200 करोड़ लिटर पानी बचाने के लिए लगी टीम की सराहना करते हुए बेहतर भविष्य के लिए स्कूल प्रबंधन के साथ उपस्थित पालको से भी जल स्तर बढ़ाने और पानी का अपव्यव्य रोकने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए टीम की समीरा नईम ने भी बच्चों और पालकों से सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य सिस्टर निशा द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

भारत स्काउट गाइड की जिला परिषद की बैठक संपन्न अशासकीय विद्यालयों में भी स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों का संचालन हो

देवास। भारत स्काउट एवं गाइड म प्र जिला संघ देवास की जिला परिषद की बैठक इस बार प्रकृति की गोद ग्राम बिलावली के शंकर मंदिर के परिसर में जिला अध्यक्ष मनोज जोशी की अध्यक्षता में, सावन पाटीदार सहा संचालक व राजश्री काले जिला कमिश्नर गाइड के मुख्य आतिथ्य में, मनोहर सिंह सेंधव, संजय शर्मा, संगीता वाटसन व पुष्पा भारती के विशेष आतिथ्य में आहूत की गई। सर्व प्रथम ईश प्रार्थना की गई। जिला संघ सचिव हेमेन्द्र निगम काकू ने बताया कि अतिथियों का स्वागत स्काउट एवं गाइड परम्परा अनुसार स्कार्फ व वागल से किया। बैठक में मनोज उपाध्याय स्काउटर प्रतिनिधि ने प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष अशासकीय संस्थाओं में स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करवाना है। विष्णु वर्मा जिला मुख्य आयुक्त ने बताया कि माह अगस्त में अशा संस्थाओं के संचालकों की बैठक आहूत की जायेगी।

अश्विन घोरपडे जिला सह सचिव ने प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष जिला रैली का आयोजन किया जाये जिससे स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों को बढ़ावा मिले। जिला अध्यक्ष जोशी ने बताया कि शीघ्र ही इसका प्रस्ताव तैयार किया जायेगा ओर इस हेतु अलग से बैठक आहूत की जायेगी। मनोज पटेल डी ओ सी ने प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक पौधा मां के नाम पर अवश्य लगायें उसका फोटो व प्रतिवेदन अवश्य भेजें जिसे सर्वसम्मति से मान्य किया। जितेन्द्र मंडलोई जिला प्रचार प्रसार सचिव ने प्रस्ताव रखा कि जिला स्तरीय स्काउटर एवं गाइडर की हाईक का आयोजन जिले के धार्मिक स्थल पर रखा जाये जिसे सर्वसम्मति से मान्य किया। शिवचरण अंगोरिया ट्रेनिंग कौंसलर ने प्रस्ताव रखा कि कब बुलबुल की गतिविधियां अशासकीय संस्थाओं में भी संचालित करवायें। पाटीदार सहा संचालक ने बताया कि शीघ्र ही अशासकीय संस्थाओं के संचालकों की बैठक आहूत की जायेगी उसमें आपकी बात रखी जायेगी। बैठक में किरण राजपूत रेंजर कमिश्नर, ग्रेता योगी बुलबुल कमिश्नर, मेहरबान सिंह पारसनिया कोषाध्यक्ष,आर सी सोलंकी डी टी सी,कोमल चौधरी डी ओ सी, वंदना वर्मा संयुक्त सचिव, किरण चौहान गाइडर प्रतिनिधि, शीला राठौर रेंजर ट्रेनिंग कौंसलर, दीपचंद्र सोनी आजीवन सदस्य प्रतिनिधि, एस एन नामदेव, हरिओम तिवारी आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन अश्विन घोरपडे ने किया व आभार देवकरण सोलंकी ने माना।

धार गायत्री शक्तिपीठ के तत्वावधान में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में किया गया पौधरोपण

धार। पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा भरा बनाने के अभियान को लेकर अखिल विश्व गायत्री परिवार हरिद्वार ,शक्तिपीठ धार के तत्वाधान में 20 जुलाई को धार में वृहद पौधारोपण किया गया । जिसके तहत धार शासकीय कन्या शिक्षा परिसर (नौगांव थाना के समीप) में आज गायत्री परिजनों द्वारा शिक्षको और विद्यार्थियों के साथ आम, जाम ,सीताफल, रामफल, जामुन अर्जुन, हर्रा ,बहेड़ा, आंवला, मोगरा ,पीपल नीम ,शिशु , खेर, आदि विविध प्रजाति के बड़ी संख्या में औषधि ,छायादार और फलदार पौधो का रोपण किया गया ।

इस अवसर पर गायत्री परिजन रमेश चंद्र सचान सहित अन्य गायत्री परिजनों द्वारा गायत्री मंत्र के महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों और उपस्थितजनों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर धार के प्राचार्य एस. कुमार ने बताया कि परिसर को हरा भरा बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। गायत्री परिवार सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा यहां पर पौधारोपण किया गया है। शिक्षकों तथा विद्यार्थियों द्वारा पौधो देखभाल की जा रही है।

बॉक्स ऑफिस पर हुआ था इन फिल्मों का क्लैश

फिल्म इंडस्ट्री में हर साल सैकड़ों फिल्में रिलीज होती हैं। इनमें केवल कुछ ही बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हो पाती हैं। हालांकि, कई ऐसी बिग बजट फिल्में भी होती हैं, जो या तो क्लैश या फिर अपनी कहानी के कारण बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो जाती हैं। बॉक्स ऑफिस पर टकराईं उन फिल्मों पर बात करेंगे, जिनकी वजह से सिनेमाघरों में सुनामी आ गई थी। अब इस साल 6 दिसंबर को अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के साथ 'छावा' का टकराव होगा। ऐसे में देखना होगा कि इस बॉक्स ऑफिस क्लैश में किसकी जीत होगी।

साल 1995 में शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के साथ माधुरी दीक्षित और ऋषि कपूर की फिल्म 'याराना' का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश हुआ था। इसमें डीडीएलजे बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित होगी। साल 1997 में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर 'दिल तो पागल है' के साथ सुनील शेट्टी की फिल्म 'भाई' बॉक्स ऑफिस पर टकराई थीं। इन दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। 1998 में शाहरुख खान और काजोल की 'कुछ कुछ होता है' के साथ अमिताभ बच्चन और गोविंदा की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का क्लेश हुआ था। यह दोनों ही फिल्में बॉक्स

ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।

2000 में फिल्म शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' के साथ धर्मेंद्र की 'पत्थर और पायल' भिड़ी थीं। इन दोनों ही फिल्मों को देखने के लिए सिनेमाघरों में भारी भीड़ उतरी थी। 2004 में शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की फिल्म वीर जारा के साथ ही प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार की ऐतराज फिल्म रिलीज हुई थी। यह भी बॉक्स ऑफिस का बिग क्लैश था।

2006 में डॉन के साथ सलमान खान और अक्षय कुमार की 'जानेमन' फिल्म टकराई थी। यह दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2007 में शाहरुख खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' के साथ सनी देओल की काफिला का टकराव हुआ था। हालांकि इस क्लैश में जीत चक दे इंडिया की हुई। साल 2017 में ऋतिक की फिल्म 'काबिल' से शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' टकराई थी। इस टकराव ने सिनेमाघरों की चांदी ही चांदी कर दी थी।

'गदर-2' को पछाड़ नहीं पाई 'कल्कि'

कल्कि 2898 एडी' की तरह पिछले साल पठान, जवान, गदर-2, सालार और एनिमल सहित कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। लेकिन, लाख कोशिशों के बाद 'कल्कि

2898 एडी' सनी देओल की फिल्म गदर-2 का एक रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई। प्रभास, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और अमिताभ बच्चन की फिल्म कल्कि 2898 एडी इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। यह साल 2024 की 1000 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली फिल्म है। कल्कि 2898 एडी की तरह पिछले साल पठान, जवान, गदर 2, सालार और एनिमल सहित कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी, लेकिन लाख कोशिशों के बाद कल्कि 2898 एडी सनी देओल की फिल्म गदर-2 का एक रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है।

कल्कि 2898 एडी को बॉक्स ऑफिस रिलीज हुए 20 दिनों से ज्यादा हो गए। हर दिन फिल्म ने शानदार कमाई की। लेकिन, प्रभास और अमिताभ बच्चन की फिल्म अपने 20वें दिन गदर-2 के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाई। दरअसल, 20वें दिन कल्कि 2898 एडी का तीसरा बुधवार है। तीसरे बुधवार को प्रभास की फिल्म के बुक माय शो पर एक लाख 27 हजार टिकट बुक बिके। वहीं गदर-2 के तीसरे बुधवार को बुक माय शो पर एक लाख 45 हजार टिकट बुक हुए थे। यह दावा एक्स हैंडल पर किया गया है।

कल्कि 2898 एडी ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। कल्कि 2898 एड़ी के किरदारों की बात करें को प्रभास ने भैरवा का किरदार निभाया है। जबकि, दीपिका पादुकोण ने सुमति का रोल प्ले किया, जो मजबूत महिला है और कोख में पल रहे बच्चे के लिए संघर्ष करती है। वहीं फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा की भूमिका में हैं। कमल हासन ने विलेन यास्किन का किरदार निभाया। जबकि, दिशा पाटनी रॉक्सी के रोल में हैं। फिल्म में कई स्टार

स्पेशल अपीयरेंस में हैं, जिनमें डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा, फिल्म मेकर एसएस राजामौली, एक्टर विजय देवरकोंडा, दुलकर सलमान और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर शामिल हैं।

रियल बॉक्स

फिल्मों में प्राकृतिक आपदा के कथानक

हेमंत पाल
लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक है।

पर्यावरण हो रहे बदलाव के चलते हमें कई बार सूखा और बाढ़ का सामना करना पड़ता है। ये सिर्फ हमारे जीवन में ही नहीं होता, इस पर फिल्मों के कथानक भी रचे जाते हैं। हमारा देश लगभग हर साल कभी बाढ़, कभी सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं को झेलता है। करोड़ों लोग इन आपदाओं को हर साल करीब से भोगते हैं। इसके बावजूद यह विषय आमतौर पर हिंदी सिनेमा में कम ही नजर आता है। प्यार, अपराध, खेल, घोटाले जैसे कई विषय हैं, जिन पर हिंदी फिल्मकारों ने खूब फिल्में बनाई, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं को अपनी कहानियों में ज्यादा जगह नहीं दी। जबकि, हॉलीवुड की फिल्मों में तरह के तूफान और बाढ़ के दृश्य ज्यादा दिखाई दिए। कई फिल्मों के तो टाइटल में भी आंधी, तूफान और भूकंप को शामिल किया गया। पहले हिंदी फिल्मों में आंधी तूफान और बारिश को कभी सस्पेंस तो कभी परिवार में आई आफत के रूप में दिखाया जाता रहा। राज कपूर की पहली सफल फिल्म का टाइटल ही 'बरसात' था। उनकी फिल्म 'आवारा' में जब पृथ्वीराज कपूर अपनी गर्भवती पत्नी को घर से बाहर निकाल देते हैं, तो अचानक आंधी, तूफान के साथ बारिश आ जाती है। 'मेरा नाम जोकर' में भी जब राज कपूर फिल्म के तीसरे हिस्से में पद्मिनी का घर छोड़कर जाते है, तब कड़कड़ाकर बिजली गरजती है और भारी बरसात में पद्मिनी उसे लौटकर आने की गुजारिश करते हुए कहती है अंग लग जा बालमा। राज कपूर की ही फिल्म सत्यं शिवं सुंदरम के अंत में बाढ़ का प्रलयंकारी दृश्य दिखाया गया था। पुल टूटने की वजह से पूरा गांव तबाह हो जाता है। लोग अपना गांव छोड़कर दूर-दूर चले जाते है। शशि कपूर और जीनत अमान की इस फिल्म के बाढ वाले दृश्य को राज कपूर ने खुद कैमरा लेकर अपने लोनी वाले फार्म हाऊस में आई वास्तविक बाढ के समय फिल्माया था।

राज कपूर की तरह ही महबूब खान ने भी बाढ के दृश्यों का प्रभावशाली उपयोग अपनी क्लासिक फिल्म 'मदर इंडिया' में किया था। नरगिस और सुनील दत्त की इस फिल्म में बाढ़ से पूरे गांव में तबाही मच जाती है। भुखमरी और प्लेग की बीमारी से गांव वाले परेशान हैं, इस बीच ग्रामीण अपने परिवार को बचाते हैं। 'मदर इंडिया' भारत की उन फिल्मों में से एक हैं, जो ऑस्कर के नॉमिनेशन तक पहुंचने में कामयाब रही। इसके अलावा 'सोहनी महिवाल' और 'बैजू बावरा' में भी बाढ़ को फिल्म के कथानक से जोडा गया था। बारिश और बाढ़ को मनोज कुमार ने अपनी फिल्म 'पूरब और पश्चिम' के पहले श्वेत श्याम हिस्से में बहुत कलात्मकता से फिल्माया था। मनमोहन देसाई की फिल्म 'सच्चा झूठा' में राजेश खन्ना की बहन नाज भी बाढ़ में फंस जाती है। ऐसा नहीं कि फिल्मों में प्राकृतिक आपदा के नाम पर केवल बाढ़ का ही सहारा लिया गया। जब बाढ़ पर बस नहीं चल पाया तो फिल्मकारों ने भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा को फिल्म की कथानक में जोड़कर प्रस्तुत किया। इस तरह की फिल्मों में सबसे सफल रही बीआर चोपड़ा की फिल्म 'वक्त।' यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित 1965 में आई इस फिल्म की कहानी भूकंप में हुई तबाही से बिछड़े परिवार के फिर मिलने की है। इसमें दिखाया गया कि कैसे एक व्यापारी और उसका परिवार सालों बाद एक अदालत के मुकदमे में फिर से मिलता है। 'मदर इंडिया' के बाद यह हिंदी सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म थी, जिसमें इतने सारे सितारे साथ थे। इसमें बलराज साहनी, सुनील दत्त, शशि कपूर, शर्मिला टैगोर सहित कई बेहतरीन सितारों ने काम किया था।

फिल्म 'जल' में कच्छ के रण को दिखाया गया। इसकी कहानी बक्का के इर्द गिर्द घूमती है जो सूखे के बीच पानी ढूंढ़ने की कोशिश करता है। डायरेक्टर अमोल गुप्ते की इस फिल्म में पूरब कोहली ने मुख्य भूमिका निभाई थी। साल 2005 में महाराष्ट्र में आई बाढ़ पर आधारित इस फिल्म में इमरान हाशमी और सोहा अली खान मुख्य भूमिका में थे। दोनों बाढ़ के बीच फंसकर कैसे मुसीबत से निकलते हैं, फिल्म में यह दिखाया गया। सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'केदारनाथ' भी बाढ़ की त्रासदी पर बनी है। 2013 में हिमालय पर इतिहास की सबसे भयानक तबाही हुई थी। यह फिल्म हिंदू लड़की और मुस्लिम लड़के बीच लव स्टोरी पर आधारित है। 2013 में आई फिल्म 'काई पो चे' अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की डेब्यू फिल्म थी। इसमें राजकुमार राव भी नजर आए थे। यह फिल्म तीन

युवकों की कहानी थी जिनकी जिंदगी 2001 के गुजरात भूकंप के बाद बदल जाती है। फिल्म में इस भूकंप की भयावहता को दिखाया गया है। यह फिल्म चेतन भगत की किताब 'द थ्री मिस्टेक्स ऑफ माई लाइफ' पर आधारित है। कुणाल देशमुख निर्देशित फिल्म 'तुम मिले' 2009 में रिलीज हुई थी। फिल्म में इमरान हाशमी और सोहा अली खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में जुलाई, 2005 में मुंबई में आई बाढ़ को दिखाया गया था। 2017 में आई 'कड़वी हवा' में संजय मिश्रा और रणवीर शौरी मुख्य भूमिका में थे। यह एक सूखा पीड़ित क्षेत्र की कहानी है जहां बरसों से वर्षा नहीं हुई है। साल 2010 में आई 'पीपली लाइव' में किसानों की समस्या को बेहद अनोखे अंदाज में फिल्माया गया था। फिल्म में नत्था की कहानी थी, जो जो सूखे के कारण सरकार से लिया कर्ज वापस नहीं दे पाता। इसके बाद सरकार उनकी जमीन जब्त करने का आदेश देती है।

'ओह माय गॉड' (2012) में परेश रावल ने ऐसे शख्स का किरदार निभाया था, जिसकी दुकान भूकंप से नष्ट हो जाती है। बीमा कंपनी इसे 'एक्ट ऑफ गॉड' बताकर उन्हें बीमा की रकम नहीं देती। इसके बाद वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है और एक दिलचस्प कहानी बुनती है। एक और जहां हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में प्राकृतिक आपदा को फिल्म के कथानक के साथ जोडकर इस पर कुछ ही रीलें खर्च करने का प्रयास किया गया। वहीं हॉलीवुड ने इस विषय पर पूरी फिल्में ही समर्पित कर दी। उनके इस प्रयास को दर्शकों ने पसंद भी किया। हॉलीवुड में प्राकृतिक आपदाओं पर बनी फिल्मों की खासियत यह होती है, कि ये अपने दर्शकों को असली थ्रिलर महसूस कराती हैं। इतना रोमांच पैदा करती है, कि दर्शक अपनी सीट पर वो आपदा महसूस करता है। ये बिल्कुल असली जैसा लगता है। अब तक प्राकृतिक आपदाओं से लेकर दुनिया के खत्म होने तक, कई प्राकृतिक आपदाओं पर फिल्में बन चुकी हैं। हेलेन हंट और बिल पैक्सटन द्वारा अभिनीत 1996 में आई फिल्म 'ट्विस्टर' बॉक्स ऑफिस पर सबसे धमाकेदार हिट साबित हुई। यह फिल्म वास्तव में जबरदस्त दृश्य प्रभावों को दिखाती है।

2004 में आई 'द डे आफ्टर टुमारो' फिल्म में बर्फीले तूफान और सुनामी की त्रासदी को दिखाया गया। अमेरिका में आई इस त्रासदी से पूरा देश तहस नहस हो जाता है। फिल्म का निर्देशन रोलैंड ने किया था। इसके बाद 2007 में प्रदर्शित टोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'फ्लड' पूरी तरह से बाढ़ पर ही आधारित थी। 2009 में प्रदर्शित फिल्म '2012' में भूकंप और सुनामी से पूरी दुनिया आई तबाही का रोमांचक फिल्मांकन किया गया था। इस फिल्म जॉन कुसैक, अमांडा पीट और ओलिवर जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म का निर्देशन भी रोलैंड ने ही किया था। दुनियाभर के दर्शकों ने फिल्म को काफी पसंद किया था। 2011 में आई स्टीवन सोडरबर्ग की फिल्म 'कंटेजियन' कोरोना वायरस के बढ़ने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुई। इस फिल्म में ग्वेनेथ पाल्ट्रो, मारिओन कोटिलार्ड, ब्रेयान क्रेन्सटन, मैट डेमन, लॉरेन्स फिशबर्न, जूड लॉ, केट विंसलेट और जेनिफर ने एक्टिंग की है। यह फिल्म 2009 में फैले स्वाइन फ्लू के वायरस के फैलने पर आधारित थी।

2015 में प्रदर्शित फिल्म 'सैन एंड्रियास' में ड्वेन जॉनसन,कार्ला गुजिनो और अलेक्जेन्ड्रा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म का निर्देशन ब्रैड पेयटन ने किया था। सैन एंड्रियास में भूकंप और सुनामी से होने वाली त्रासदी को दिखाया गया है। हॉलीवुड की ही फिल्म 'जियोस्टॉर्म' एक साइंस डिजास्टर आधारित फिल्म थी। ये फिल्म साल 2017 में आई थी। इस फिल्म का निर्देशन डीन डिवालिन ने किया था। इस फिल्म में जेरार्ड बटलर, जिम स्टर्जेस और अब्बी कॉर्निश जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। हॉलीवुड ने जहां इस विषय को शिद्दत के साथ उठाया, वहीं हिंदी फिल्मों के निर्माता निर्देशक इसे फिलर के रूप में ही इस्तेमाल करते रहें। ज्यादा हुआ तो बारिश, तूफान, आंधी, जलजला, आंधी और तूफान और आया तूफान जैसे शीर्षक रचे गए।

- hemantpal60@gmail.com/ 9755499919

सिनेमा में भी जारी है गुरु शिष्य परम्परा

अशोक जोशी

आज गुरु पूर्णिमा है। हमारे यहां प्रतिदिन गुरू का सम्मान करने तथा उन्हें प्रणाम कर अपना दिन आरंभ करने की परम्परा उतनी ही पुरानी है जितनी की हमारी संस्कृति। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है प्रातः काल उठी के रघुनाथा,

मात पिता गुरू नावहिं माथा। गुरु पूर्णिमा के दिन पूरे देश में लोग अपने अपने गुरुओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद लेते हैं। समाज के सभी वर्गों में गुरु शिष्य परम्परा मौजूद है। सिनेमा जगत में भी इस परम्परा का उसी सम्मान और शिद्दत के साथ निर्वाह किया जाता रहा है। हिंदी सिनेमा ने कई ख्यातनाम गुरु और उनके जितने न सही, लेकिन उनके प्रभावयुक्त होनहार शिष्य दिए हैं। गुरु पूर्णिमा पर ऐसे ही कुछ खास गुरू शिष्यों पर एक नजर।

फिल्म गुरु-शिष्य परंपरा की शुरुआत परिवारों से होती है और 'कपूर परिवार' को हिंदी सिनेमा का पहला फिल्मी परिवार माना जाता है। इस परिवार की शुरुआत पृथ्वीराज कपूर ने की थी। वह पहले फिल्मी सितारे थे जिन्हें पहली बार सबसे ज्यादा एक लाख रुपए पारिश्रमिक मिला था। उनके बाद इस परम्परा को उनके बेटों राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर ने आगे बढाया। इसके बावजूद इस गुरु शिष्य परम्परा की शुरुआत राज कपूर ने की थी। अपने स्टार पिता के बावजूद राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज से फिल्मी शिक्षा नहीं ली। पृथ्वीराज कपूर जानते थे कि एक पिता अच्छा गुरु तो हो सकता है, लेकिन सख्त गुरु नहीं हो सकता है। इसलिए उन्होंने राज कपूर को अपने मित्र और ख्यातनाम फिल्मकार केदार शर्मा के पास फिल्मी शिक्षा के लिए भिजवाया। केदार शर्मा इतने सख्त थे कि उन्होंने राज कपूर को अभिनेता बनाने से पहले क्लैपर बॉय बनाया जिसका काम शॉट शुरू होने के पहले क्लेप बोर्ड पकड़कर क्लैप देना होता है।

राज कपूर को हमेशा ही अपनी सूरत पर नाज रहा। उन्होंने कैमरामैन को पटा लिया। वह क्लैप के दौरान राज कपूर का क्लोजअप लेकर उन्हें दिखाया करता था। इसलिए राजकपूर भी क्लैप बोर्ड पर अपना चेहरा कुछ ज्यादा आगे कर देते थे। बीच-बीच में वह कंघी करके अपने आपको संवारा करते थे। उनकी यह चाल किसी के समझ में नहीं आई। एक दिन जब वह क्लैप के दौरान कंघी कर रहे थे तो केदार शर्मा ने उन्हें देख लिया। इसके बाद वह क्लैप बोर्ड पर इतने व्यस्त रहे कि क्लैप देते समय फिल्म के नायक की दाढ़ी क्लैप बोर्ड में फंस गई। जिसे देखकर सारे लोग जोर-जोर से हंसने लगे। राज कपूर को लगा जैसे उन्होंने कोई बड़ा काम कर दिया। वह भी गर्व के साथ मुस्कराने लगे। तभी केदार कपूर ने उन्हें

अपने पास बुलाया और सभी के सामने उनके गाल पर झन्नाटेदार तमाचा लगाकर कहा कि अपने काम पर सीरियस रहो।

राज कपूर ने घर आकर पृथ्वीराज को थप्पड़ की बात बताई। तब पृथ्वीराज ने पूछा और क्या कहा? तब राजकपूर ने कहा अपने काम पर सीरियस रहो। बस उनकी आज्ञा का पालन करो। पृथ्वीराज का छोटा सा जवाब था। उस दिन के बाद राज कपूर अपने काम के प्रति इतने गंभीर हो गए कि खुद केदार शर्मा ने उन्हें 'बावरे नैन' में नायक बनाकर स्टार बना दिया। राज कपूर जितने अच्छे चेले थे, उतने ही अच्छे गुरु भी साबित हुए। उन्होंने अपने बेटों के बजाए राहुल रवैल और अनीस बज्मी जैसे लोगों को शिक्षा देकर बेहतरीन निर्देशक बनाया। जिस दिन राहुल रवैल ने 'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर को निर्देशन देते देखा, फैसला कर लिया कि वह भी उनके जैसे निर्देशक बनेंगे। अपने पिता एचएस रवैल की खुशामद कर उन्होंने राज कपूर को अपना गुरु बनाने के लिए राजी कर लिया। राहुल रवैल ने बॉबी में राज कपूर के सहायक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की।

राहुल रवैल राज कपूर पर लिखी अपनी पुस्तक 'राजकपूर मास्टर एट वर्क' में लिखा कि उन्हें काम करते देखकर ऐसा लगता था जैसे वह किसी आर्केस्ट्रा का संचालन कर रहे हों। इस पुस्तक में 'बॉबी' के एक गीत 'हम तुम एक कमरे में बंद हो' का उल्लेख भी है, जिसकी शूटिंग गुलमर्ग में हो रही थी। गाने में राज कपूर को ताजे फूल दिखाने थे। उनसे कहा गया कि इंतजाम करो। उन दिनो गुलमर्ग में ताजे फूल तलाशना भूसे के ढेर में सुई तलाशना था। चार दिनों तक खोज की गई फिर हवाई जहाज से दूसरे शहर से ताजा फूल मंगवाए गए।

'बेताब' और 'लव स्टोरी' जैसी सफल फिल्म बनाने के बाद जब राहुल अपनी फिल्म 'अर्जुन' के एक्शन दृश्य को फिल्मा रहे थे, तब उन्हें वीटी का वह नजारा याद आया जब वह बरसात के दिनों राज कपूर को लेने गए थे। ऑफिस का समय था। वहां इंसानों के सिर के बजाए छतरी ही छतरी नजर आ रही थी। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने यह जानदार दृश्य फिल्माया था। इसी तरह 'लव स्टोरी' के एक दृश्य में 'संगम' की छवि लाने में जब वे नाकाम रहे, तो उन्होंने राज कपूर से मदद मांगी और राज कपूर ने खुद सेट पर जाकर उनकी मदद की थी।

इसी तरह अनीस बज्मी भी बताते हैं कि 'प्रेम रोग' में राज कपूर के सहायक के रूप में उन्हें कितने पापड बेलने पड़े थे। एक बार जब उनसे कुछ गलती हो गई तो मुंबई से मैसूर शूटिंग के लिए पूरी यूनिट तो हवाई जहाज से गई। लेकिन, अनीस बज्मी को इलेक्ट्रिक उपकरणों के साथ जोंगा गाड़ी में बैठकर सड़क के रास्ते मुंबई से मैसूर तक का सफर करना पड़ा था। राज कपूर की आंच में तपकर ही अनीस बज्मी ने 'स्वर्ग' जैसी हिट फिल्म दी और हलचल,प्यार तो होना ही था। दीवानगी, नो एंट्री, वेलकम, सिंह इज किंग, नो प्रॉब्लम, रेडी, पागलपंती और भूल-भुलैया जैसी फिल्मों से जुड़ने का मौका मिला।

सिनेमा में गुरु शिष्य परम्परा का दूसरा उदाहरण है गुरूदत्त। वह अपने नाम के अनुरूप बेहतरीन गुरु थे। उनके शिष्य राज खोसला ने पहली बार बाजी में उनके सहायक के रूप में काम आरम्भ किया। उसके बाद 'सीआईडी' में गुरूदत्त ने ही उन्हें स्वतंत्र रूप से निर्देशन सौंपा। गुरुदत्त की संगीत के प्रति लगन और गानों के पिक्चराइजेशन का असर राज खोसला की तमाम फिल्मों में देखने को मिलता है। वह अपने गुरु की तरह ही सस्पेंस से लेकर सामाजिक सभी तरह की म्यूजिकल हिट बनाने के लिए मशहूर हुए।

राज खोसला के शिष्य हैं महेश भट्ट। राज खोसला ने उन्हें सिनेमा की बारीकियों से परिचित कराया। 'मेरा गांव मेरा देश' में महेश भट्ट उनके सहायक थे। महेश भट्ट नौकरी के सिलसिले में राज खोसला साहब के पास गए थे। तब उन्होंने सबसे पहले महेश भट्ट से सवाल किया 'जीरो से दस तक के स्केल पर आप फिल्म मेकिंग के बारे में क्या जानते हैं?' महेश भट्ट ने जवाब दिया 'जीरो।' तब राज खोसला मुस्कुराए और बोले, शुरुआत करने के लिए जीरो सबसे अच्छी जगह होती है। इस तरह महेश भट्ट को असिस्टेंट डायरेक्टर की अपनी पहली नौकरी मिली। इसके बाद फिल्म निर्माण और निर्देशन की दुनिया में महेश भट्ट ने जो योगदान देना शुरू किया, दुनिया उसे जानती है। महेश भट्ट ने राज खोसला साहब से सिर्फ फिल्म मेकिंग की बारीकियां ही नहीं सीखीं, उनके पास संगीत की जो अविश्वसनीय विरासत है, वह भी उन्होंने राज खोसला के साथ प्रशिक्षण में प्राप्त की। इस तरह हिंदी सिनेमा के बेहतरीन गुरुओं ने अपने शिष्यों को चमका कर स्वर्णिम बनाया।

जीत को भी 'हार' चाहिए...!

प्रकाश पुरोहित

उ हम पाकिस्तान को ही दुनिया का सबसे गरीब देश मानते रहे हैं, लेकिन मुझे तो 'अस्सल गरीब देश' इंग्लैंड लगता है। हमारे हुक्मरान चुनाव में चार सौ पार की उम्मीद से थे और आधे में ही अटके रह गए, फिर भी कैसी धूमधाम मचाई कि जैसे 'भूतो ना भविष्यति।' अपनी नाकामयाबी को ढंकने के लिए ऐसे-ऐसे उत्सव किए, जैसे अंबानी के यहां ब्याव मंडा हो। लगा जैसे पहली बार सरकार में आए हैं।

उधर इंग्लैंड में देखिए, बगैर दावेबाजी के विरोधी दल चार सौ पार हो गया और सत्ताधारी दल को इतनी बड़ी शिकस्त दी कि हमारे यहां होती तो अभी प्रधानमंत्री शपथ समारोह की लिस्ट बन रही होती, तारीख का मुहूर्त निकल रहा होता, नजदीक के विदेशी महमानों को बुलाकर ओब्लाइज करने की तैयारी हो रही होती। लग ही नहीं रहा है कि इंग्लैंड में चौदह साल के वनवास के बाद पार्टी की सत्ता में वापसी हुई है। लग रहा है कि हारने के लिए चुनाव लड़ रहे थे और जीत गए!

जब उम्मीद से आधे कम पर हम इतना हुड़दंग कर सकते हैं तो इंग्लैंड को भी कुछ दिन तो माहौल बनाए रखना चाहिए था। बताइए, पूरे नतीजे आने से पहले ही सुधा मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक सरकारी कार से दफ्तर गए और अपनी घरेलू कार से घर लौट गए। उधर, नए प्रधानमंत्री स्टॉर्मर ने अपनी कार छोड़ी और सरकारी कार में बैठ उस '10, डाउनिंग स्ट्रीट' के मकान में चले गए, जहां कुछ देर पहले तक सुनक दंपती रहते थे, जिसकी लोकप्रियता सुधा मूर्ति की वजह से भारत तक में हो गई थी कि '10, डाउनिंग स्ट्रीट मंजे काय!'

ना तो जाने वाले ने हाय-कलाप किया, ना विरोधी दलों को कोसा और ना ही पूरे नतीजे आने तक इंतजार ही किया। चौदह बरस की सरकार के पलटने से ना तो ये गुस्साए और ना ही वो बावले ही हुए। ऐसे चुनाव में क्या तो मजा आता होगा, जिसमें कोई रोमांच नहीं, रहस्य नहीं और रोमांस नहीं। किसी ने ये भी नहीं कहा कि बैलेट पेपर से चुनाव हुए, इसलिए हम सत्ता से बाहर हुए। और कुछ नहीं तो इवीएम की ही मांग कर लेना चाहिए थी, जैसे अखिलेश यादव ने प्रण लिया है कि मरते दम तक इवीएम को हटाने की कोशिश

करता रहूंगा। ये होता है लोकतांत्रिक अंदाज, तभी तो हमें लोकतंत्र की अम्मा कहते हैं खुद हम!

लेबर पार्टी की जीत हुई है, इसका यह मतलब तो नहीं है कि ये मजदूरों का दल है तो इनके खाते में इतने पाउंड भी नहीं हैं कि ढंग का शपथ-समारोह ही कर लेते। मोदीजी को बुलाते तो क्या नहीं जाते, शायद नहीं जाते, क्योंकि सुनक की वजह से हिंदू गौरव का मान भी तो रखना होता। ठीक है, योरप से रिश्ते वैसे नहीं रहे, लेकिन गुलाम रहे देश तो आज भी इंग्लैंड की तरफ उसी श्रद्धा-भाव से देखते हैं, जिसे इशारा करते दौड़े चले आते। लंदन का ट्रैफलगर चौक आखिर क्या सिर्फ आंदोलन के लिए बनाया गया है? पीएम शपथ समारोह तो बढ़िया हो ही सकता था। ठीक है, सुनक की पार्टी हार गई, लेकिन हिम्मत तो नहीं हारनी चाहिए ना। जब बाहर हो ही रहे हैं तो दो बातें सुना कर तो जाना ही था। ये भारतीय कहते हैं अपने को, लेकिन लक्खन नहीं है हमारे वाले। कहते भी हैं, भारतीय जब इंग्लैंड में होते हैं तो अंग्रेजों से ज्यादा अंग्रेज हो जाते हैं।

कभी दुनिया पर राज करने वाले आज कहीं के नहीं हैं तो इसीलिए कि इन्हें मौके का महत्व ही समझ नहीं आता है। इतने बरसों के बाद सत्ता-पार्टी को इतनी बुरी तरह पराजित किया है तो उसका रस भी तो लेना चाहिए था या नहीं! इतनी फुर्ती से तो बुलडोजर आने पर कोई मकान भी खाली नहीं करता है, जितनी तेजी में इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बंगला छोड़ भाग लिए। देखिए स्मृति इरानी को, पूरा डेढ़ महीना लगा दिया सरकारी बंगले से कब्जा हटाने में और उसकी बाकायदा वीडियो जारी की।

अभी भी राजधानी दिल्ली में पिछली सरकार के हारे ना जाने कितने मंत्री-संत्री हैं, जो वकीलों के चक्कर लगा रहे हैं कि ऐसा कोई पेंच फंसाएं कि एक प्यारा बंगला खाली ही ना करना पड़े। पद छूट जाता है, लेकिन सरकारी बंगला नहीं छूटता है। इसीलिए अंग्रेजों को निर्मोही कहा जाता है, देखिए कैसे कि यूं दंड-कमंडल लेकर सरकार से निकल पड़ते हैं, जैसे चुनाव नहीं, जिंदगी से हार गए हों। हमारे यहां यदि ऐसी विशाल जीत होती तो देखते कि ऐसा प्रधानमंत्री शपथ समारोह करते कि दुनिया को यकीन करना पड़ता कि भारत की लगभग आबादी सरकारी अनाज के दम पर सांस ले रही है। कहावत है ना, 'घर में नहीं खाने को, चाची चली भुनाने को' तो कोई यूं ही थोड़े ही है।

ये जीत भी कोई जीत है, जिसमें कोई उत्सव नहीं, उत्साह नहीं। और तो और, इंग्लैंड में मंत्रालय भी यूं बांट दिए, जैसे खैरात हो कि इस हाथ की खबर उस हाथ को नहीं हुई। हमारे देश के प्रधानमंत्री पौने दो लाख माहवार पाते हैं, फिर भी देखिए 'वंदे-भारत' को हरी-झंडी दिखाने पर ही करोड़ों रुपए इन्वेस्ट कर देते हैं। ये फिजूलखर्ची नहीं, पूंजी-निवेश कहलाता है। हमारे यहां तो सांसद बनने के पहले सूट सिल जाते हैं और मंत्री पद के लिए तो धजा ही अलग बन जाती है। मेहनत की है तो इनाम भी उसी तरीके से लिया जाए तो ही मजा आता है।

भारत की नब्बे फीसद आबादी को पता भी नहीं लगा होगा कि उधर इंग्लैंड में नई सरकार ने काम शुरू कर दिया है और विरोधी दल ने भी अपनी कमजोरियों का खुलासा जगजाहिर कर दिया है। अगर ये सारे काम अभी से शुरू हो गए हैं तो फिर ये बाकी समय करते क्या हैं, नहीं पता, पता चलते ही बताऊंगा!

अपने आंगन में एक घर सपनों का

पहल

मालिनी गौतम

ए क खूबसूरत बंगले की आस भला किसे नहीं होती? आज जबकि महानगरों तो क्या छोटे छोटे शहरों में भी टेनामेंट आसानी से नहीं मिलते या जमीन खरीद कर उसपर मकान बनाना एक सपने जैसा लगता है और मजबूरी में आदमी फ्लैट में रहने के लिए मजबूर है। फ्लैट जहाँ न जमीन अपनी और न आसमान अपना। सबकुछ साझा। आप तरसते हो मिट्टी छूने के लिए। टेनामेंट में इतनी जगह तो होती ही है कि आप अपने हाथों से लगा सको तुलसी क्यारा। घर के आसपास की थोड़ी सी जमीन में ही लगा सको मोगरा, जूही, मधुमालती और चमेली की बेलें....कि घर महकता-गमकता रहे रात-दिन। रात सोते समय आपके ऊपर हो निहारने के लिए तारों भरा आसमान या कमरे में खिड़की की चौखट को लांघकर अधिकार से चली आती हो मादक फूलों की खुशबू।

तो बहरहाल हर व्यक्ति के जीवन में एक सपनों का घर होता है, जिसे वह संजोता है और उसी के लिए मेहनत करता है। यह घर केवल चार दीवारों का एक ढांचा नहीं होता, बल्कि यह भावनाओं, सपनों और खुशियों का संगम होता है। यह वह स्थान होता है जहां व्यक्ति अपने आप को सबसे सुरक्षित और सहज महसूस करता है। मनुष्य ही नहीं, बल्कि पक्षियों के लिए भी घर का विशेष महत्व होता है। वे भी अपने लिए सुरक्षित और आरामदायक स्थान ढूंढते हैं जहां वे अपने अंडे दे सकें और अपने बच्चों की परवरिश कर सकें। पक्षियों के लिए घर बनाने की प्रक्रिया बेहद प्राकृतिक होती है, लेकिन इसका महत्व उतना ही बड़ा होता है जितना कि मनुष्यों के लिए।

मेरे बगीचे की ताजगी और हरियाली के बीच, जब एक चिड़िया अपने छोटे से घर का निर्माण करती है, तो मेरे लिए वह दृश्य मनमोहक होता है। यह नन्हा आश्रय प्रकृति की सुंदरता और मातृत्व की भावना का प्रतीक बन जाता है। बगीचे में चिड़िया का घर न केवल उसके लिए, बल्कि मेरे लिए भी प्रेरणा का स्रोत होता है।

मेरे बगीचे में मैंने लकड़ी के बने ऐसे कई घर लटकाए हैं, जहाँ चिड़ियां घोंसला बनाती है। इस तस्वीर में जो घर है वह एक काली चिड़िया का है। अब नाम तो पल्लवी या रश्मि रविजा ही बता सकेंगे उस चिड़िया का।मोगरे की एक डाली इस घर के ऊपर इस तरह से छा गई है कि यह घर बेहद सुंदर लगता है।मुझे लगता है कि क्या यह काली चिड़िया भी उसी तरह बौराती होगी मोगरे की खुशबू से जैसे मैं बौराती हूँ और सुबह होते ही फूल चुनने के लिए बगीचे की तरफ़ भागती हूँ।

पता नहीं पर मैं तो इस न्यारे बंगले को देखते थकती नहीं हूँ और ये मोगरे जितना फूलते हैं उससे अधिक खुशी के मारे मैं फूली नहीं समाती हूँ।

अंतर...

फोटो: बंसीलाल परमार

//भाषान्तर//

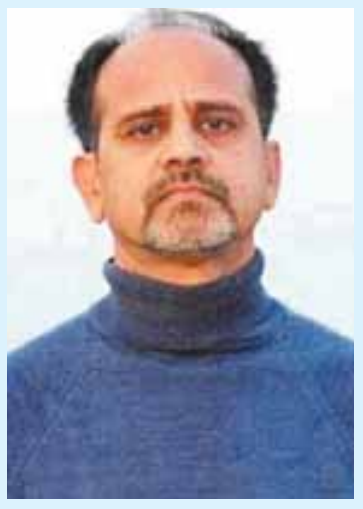

अनुवाद मणि मोहन

भाषान्तर में इस रविवार 20 वीं शताब्दी के सुविख्यात अमेरिकी कवि रॉबर्ट फ्रॉस्ट की एक कविता का अनुवाद ।

बर्फ़ का चूरा

जिस तरह से एक कौए ने
गिराया मुझ पर
बर्फ़ का चूरा

एक हेमलॉक के दरख़ूत से
जैसे मेरे दिल का मौसम ही बदल दिया
और बचा लिया एक छोटा सा हिस्सा
उस दिन का
जिसे मैंने बर्बाद कर दिया था।

बात निकलेगी तो... दूर तलक जाएगी!

❐ यूके से प्रज्ञा मिश्रा

पा वह दौर था, ईद पर इस्माइल के यहां न जा पाएं तो उसकी अम्मी समोसे और सिवइयां घर भिजवा देती थी। ऐसा भी हुआ है कि घर वालों को खाना बाद में मिला, पहले हमारे यहां पहुंचा दिया। शाम के पांच बजे के बाद कोई भी खाना खाए बिना नहीं लौटता था। घर वालों को भी पता था कि वहां गए हैं तो खाना तो खा कर ही आएंगे। न जाने कितनी बार अम्मी ने घर में मीट पकाने के प्लान को रद्द किया, क्योंकि शाकाहारी बच्चे उनके घर में थे और हमसे ज्यादा ख्याल रखती थीं कि खुशबू भी आ ना पाए।

उसके बाद बर्मिंघम में अज़ीज़ भाई और अनीसा के साथ रहते हुए रमजान और उस दौर के खानों को समझा। कभी नहीं हुआ कि हैदराबादी बिरयानी बनी हो और वेज पुलाव न बना हो। जब भारत से मां बर्मिंघम आई तो बिना कहे ही किचन में से नॉनवेज गायब हो गया। पूरा महीना घर शाकाहार ही रहा, हां जब दो दिन बाहर जाना था, तब अनीसा ने झिझकते हुए पूछा- अगर दो दिन के लिए बाहर हो तो क्या एक दिन चिकन पका लूं। इस सवाल से याद आया कि उसने किचन को शाकाहारी बना रखा था कि ध्यान नहीं गया।

जिस खाने को इंडिया में ही सत्तर फीसद से ज्यादा लोग खाते हों, क्या उसे गलत या बुरा कहा जा सकता है? जिस खाने की जिद की वजह से लोगों की जान चली जाए, वो खाना किस तरह से बेहतर माना जा सकता है? हालिया दौर में दुनिया भर में वेजीटेरियन खाने का कल्ट शुरू हुआ है, लेकिन कभी भी गैर नॉन-वेज खाने की शिकायत की जरूरत पड़ी न ही टेबल पर साथ खाना खाने में कोई हिचक हुई।

दरअसल यह सब इसलिए याद आ रहा है कि पिछले दिनों इंडिया से जो खबर आई हैं, उनमें खाने को लेकर भेदभाव इस हद तक भरा हुआ है कि घबराहट होने लगती है। जैन तीर्थ पालीताणा पहला ऐसा शहर बन गया है, जहां नॉनवेज खाने पर रोक है। बीफ के धोखे में न जाने कितनों की जान जा चुकी है और अब छुआछूत का नया ही नियम सामने आया है। कावड़ यात्रा के रास्ते में सड़कों पर फल, सब्जी और खाना बेचने वाले मुसलमानों को नाम दिखाना होगा। क्या होगा अगर किसी नॉनवेज खाने वाले ने कावड़ यात्री को अपने फल खिला दिए? क्या हो जाएगा अगर मंदिर में जाने वाले भक्त ने नॉनवेज खाने वाले के हाथ लगे फूल भगवान को चढ़ा दिए? अगर कोई मुस्लिम कावड़ यात्री आ गया तो क्या होगा? वह कहां खाएगा?

जब जमीन भी उसी की है और उस जमीन पर रहने वाले भी उसके तो क्या फर्क पड़ जाएगा? अगर एक तरह का खाना खाने वाले ने दूसरे तरह के खाना खाने वाले के साथ खाना खा लिया? काश! वो जानते कि छुआछूत जैसे हैवान को जिंदा रखना कितना गलत है, क्योंकि बात फिर निकलेगी तो दूर तलक जाएगी ही और आज नहीं तो कल सवाल उठाना ही होंगे।